GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0453**

Classification:

Original File No. 10 A

Title

Tamar Ilaka

Volume:

Running **from year: 1937** **till year: 1948**

Content:

- Letter from Rev.K.M.Topno to Rev. Lakra & Secretary through Hd. Supervisor on 28 July & 14 Aug 1948.
- Minutes of C.C.Executive Committee on 23 June 1948.
- Executive Committee (Amlesa Ilaka) Dt. 31-7-46.
- The full financial report of the whole Ilaka, 1944.
- Letter to Rev.P.D.Silas Bage by Th. Surin on 10 May 1944.
- Letter from N.Bhengra to Rev.J.J.P.Tigga on 22-5-1942.

305

TIGER

1937-48

FLAT FILE

FILE No. 10 A

ME Tamar Ilaka

BJECT

Amlesa.
From Rev. K.M. Toppono
Dat. 28-7-48

To
The C. C. Secretary.
G.E.L. Church Ranchi

महाशय

आप के सरकुलर अनुसार हमारे इलाका के मिसन स्कूलों में धर्मी शिक्षा- स्कूल घंटों के बाहर जैसे पहिले पढ़ाया जाता था वैसा ही इन दिनों में पढ़ाया जाता है। सिलेबस के अनुसार।

स्कूल रोटीन में ११ बजे
से है। धर्म विषय को
पढ़ाने के लिये स्कूल
१०½ बजे से आरम्भ होती
है। गुरुजन आपने
डाइरी में ११ बजे समय
दिखाते हैं।
आप के विश्वासी
[illegible]
Rev. [illegible] Toppo.

POST CARD

ADDRESS ONLY

RANCHI

INDIA POSTAGE ½A ½A

To
The C.C. Secretary
C.H. Herewth G.E.L. Church
Ranchi
P. O. Ranchi
Dist Ranchi

No. 306/48
D/-6-8-48.

THE REV. K. M. TOPNO.

F 10 A

cc

G.E.L. Church,
Amlesa, Tamar P.O.,
Ranchi Dist., (Bihar).
29th July 1948

To the President Rev. Lakra.
G.E.L. Church Ranchi

महाशय,
आप के 9-7-48 के चिट्ठी अनुसार मैं अपने इलाका को संक्षेप रिपोर्ट देता हूं। इलाका में अम्मचारी मिटिंग, इलाका मिटिंग होता है। आप को हमारे महवारी रिपोर्ट से मालूम है। इलाका में कुछ गड़बड़ नहीं है। आपको खबर मिला है कि मिटिंग एक कमिटी चहती है। अफसोस के साथ मुझे लिखना पड़ता है, हमारे इलाका सेक्रेटेरी सब मिटिंग एजेन्डा को सुसमय में मुझे नहीं दिखाते हैं। मैं ने बार २ कहा कि एजेन्डा मुझ को मिटिंग पहिले दिखाया जावे - फिर भी हमारे चर्च सुपर मैंजर प्रधान ने भी हिदायत (सर्व०) दिये थे कि चेयरमैन के साथ मिल के एजन्डा बनावे - उस तरह की बातों को भी नहीं माना जिस के कारण मैं विरोध किया। आप मुझे बतायें कि एजेन्डा को बिना देखे सोचे मैं मिटिंग को कैसा अगुवाई कर सकते हैं। मिटिंग सुरु होने के बाद एजेन्डा दिखा जाता है। महाशय मेरी गलती होगी तो माफ करेंगे। मैं मान लेने को तयार हूं। मैं रांची जाने पर हूं उस समय सब बातों को आप के सामने पेस करूंगा।

आप के आज्ञाकारी सेवक
K. M. Topno

F.10 Umbulbaha
22-8-48

महामान्यवर से क्रेटेरी साहब को
मेरा यीशुसहाय।

आप की चिट्ठी विषयक उम्बुलबहा स्कूल में धर्म शिक्षा जैसा पहिले से चलाया गया है वैसा ही हप्ते में प्रतिदिन दी जाती है। शनिश्चर को आधा स्कूल है उस रोज नहीं दी जाती है।

आप का विश्वस्त

Pastor Supervisor
Lutheran School
Umbulbaha.

18/R.
16-8-48.

From
Rev. K.M. Topono
Dat. 14-8-48. G.E.L. Church Amlesa.
P.O. Tamar.

F. 10A

To

The C.C. Secretary G.E.L. Church Ranchi,
Through the Head supervisor Lutheran school
Ranchi

महाशय,

आप से मेरी दीन आर्जी है कि आमलेसा U.P. स्कूल के H.d. मास्टर से अनेक बातों और प्रबन्धों में विरोध हो गया है। वह आप ही इलाका सेक्रेटरी भी हैं जिस के कारण से इलाका में और स्कूल में भी कुछ त्रुटियां हो जा रही हैं। मैं उन त्रुटियों को निचे लिखता हूं।

File

1/ इलाका सेक्रेटरी हो कर चेरमैन से सहयोग नहीं करते हैं और सुसमय में इलाका मिटिंग की एजेन्डा नहीं दिया जाता है मिटिंग सुरु होने के बाद दिया जाता है, बार 2 कहा गया, Church Supervisor से भी सलह दिया गया कि एजेन्डा चेरमैन के साथ मिल के तैयार किया जावे और मिटिंग में पेस किया जावे। ऐसा न होने के वजा से जून महिने के इलाका मिटिंग में सभा की अगुवाई करने में लाचार हो गया और सेक्रेटरी को मैं अनादर किया। मेरे उपर इसी का रिपोर्ट C.C. को दिया गया। मुझ को कैफियत मांगा गया और मैं उस का कैफियत दे दिया, उसी कैफियत के लगातार में अपनी आर्जी भी पेस करता हूं।

2/ Mr. J. Minz H.d. मास्टर के साथ हम लोग School fund खड़ा किया। उस के बाद में Mr. A. Dhan guria H.d. मास्टर आये, वह fund ठीक ही चलता था, बाद में Mr V. Lengra को स्कूल का भार सौंपा गया, H.d. मास्टर नहीं था उस समय भी ठीक ही चलता था। बाद में Mr. P. Purti H.d. मास्टर आये। Mr. ~~H.d.~~ P. Purti H.d. मास्टर के दिनों में वह School fund का हिसाब और Charge Book मांगा गया, पर नहीं देते हैं।

3/ Head Supervisor के Memo NO 478, Dat. 9 March 1948 की copy अनुसार H.d. master P. Purti को 10/-) रु. दिया गया है। इस copy के 2रा ईटम के अनुसार fund खड़ा करने को है, उस को H.d. मास्टर को खर्च करने का नहीं है, स्कूल को स्थापित करने के लिये है। इसी शर्त पर यह रुपैया दिया गया है।

O
Put up copy of memo 478 Dt. 9.3.48.

4/ स्कूल में नये मास्टरों के तलब की ~~और~~ उचित प्रबन्ध न होने के कारण से काम करने नहीं चहते हैं। नये मास्टर Mr J. Purti S.O. के वास्ते दरखास्त लिखने पर हैं यह दरखास्त आप के पास भी S.O. की ओर से पहुंचेगा।

P.T.O.

5/ होस्टेल का भी सुप्रबन्ध नहीं है। कितने लड़कों का होस्टेल फीस बहुत ही बाकी है। होस्टेल का हिसाब बहि एक जेनेरल कैस होना चाहिये। पर सब एकसरसाइज खाता में हिसा लिखा जाता है। जो की खो जाने का भी डर है।

6/ इन्हीं सब त्रुटियों के कारण से H.M. मास्टर के साथ बार 2 बखेड़ा हो जाता है और अगुवाई करने से मैं रोका जाता हूं। इस लिये मेरी आर्जी है कि इन सब त्रुटियों को सफाई करने के लिये आने की मेहरबानी करेंगे। बाद में H.M. मास्टर का बादली होजाय या मेरी बदली होजाये। "जिस राज्य में फूट पड़ा है वह राज्य टूट जायेगा" यह नहीं ठहरेगा।

आइन्दे हजूर आप मालिक हैं -
आप के आज्ञाकारी सेवक

Rev. K.M. Topno Amlesa.
G.E.L. Church Amlesa.
P.O. Tamar.

Dat. 14-8-48.

Memo No 955/18.R/48. dt/ 23-8-48.

Forwarded to the secretary, G.E.L. Church Council for favour of perusal and necessary action.

[illegible]
Head Inspector
23/8/48

1455/48/F-10A. 22nd July, 8.

The undermentioned document is forwarded to the President, G.E.L.Church for information with the Request to do the neeful.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 23rd June, 1948.

Item No. 18.

" Complains from Tamar Ilaka :- Read the complaints dated 9.6.48 and 10.6.48 from the Treasurer (Ilaka) Rev.C.N.Horo and the brethren of the Tamar Ilaka against the Ilaka Chairman, and resolved that the President be requested to write to the Ilaka Chairman confidentially regarding the exact situation and the matter be dealt with by the President.

Sd. J.Lakra.
8.7.48.

Sd. C.H.Herenz.
Secretary. 24.6.48."

CBBCM/2C.

F.10A No. 144/48
Dt. 15-6-48.

26

17/6

श्रीमान प्रेसिडेन्ट साहब जी॰ इ॰ एल॰ चर्च रांची को हम तमाड़ इलाका के भाईगण-
वो पंचगणों की ओर से यीशुसहाय।

आगे अर्ज ऐसी है कि हम लोग तमाड़ इलाका के चेयरमैन K. M. Topono के बोल चाल व्यावहार से बहुत अप्रसन्न हैं, एक बार तो चर्च सुपरवैजर भी जांच करने के लिये आये थे और कई बातों में दोषी भी ठहराये और चेतापन भी दिये पर उसका चाल व्यावहार जैसा का तैसा ही है पर अधिक ही खराब होते जाता है। सुपरवैजर साहब थोड़े दिन सब्र करने के लिये राजी किये थे पर हम लोग समझ नहीं सकते हैं कि

१. बीते महासभा के बाद बहुत पादरी बदली किये गये हम लोग आशा करते थे कि उसी बाबत में उसका भी बदली होगा पर हमों का आशा टूट गया।

२. इलाका यह भी देख लिया कि हमारा इलाका चेयरमैन और पेरिश चेयरमैन में घनिष्ट मेल नहीं है जब तक ये यहां का चेयरमैन रहे तब तक मंडली की भलाई नहीं होगी। इस इलाका में इसको काम करते बहुत दिन भी हो गया है हम लोग बेर बेर इसका दोष बतलाने नहीं चाहते हैं, इलाका में कोई गड़बड़ न होवे और चेयरमैन का भी बेइज्जत न होवे, इसलिये आप कृपा करके इस चेयरमैन को किसी दूसरे जगह में इसी साल के भीतर खुशी राजी से बदली कर दीजिए और दूसरा चेयरमैन हम लोगों के लिये भेज दीजिए, इसलिये आप इस इलाके का भला चाहते हैं तो इस चेयरमैन को जरूर ही बदली कर दीजिए — अर्ज था सो अर्ज किया।

आइन्दे हजूर मालिक हैं —। निवेदक तमाड़ इलाका के भाईगण
वो पंच गण —।

कातिब जयमसीह पुर्ती
ता॰ १०-६-१९४८

सही समुएल प्रचोन - वसुओचा प्रचारक पन
सही - दाऊद - मुन्डू - इलाका पञ्च - पन्डाडीह - प्रचारकपन
सही मरटिन - पुरती सिन्दुरी हुडांग प्रचारकपन,
सही समुएल पुर्ती पंच उलीहातु प्रचारकपन
सही इलिल पुर्ती प्रचारकपन पंच सरायद प्रचारकपन
सही विसराम पुर्ती इलाका पंच डिमनिया प्रचरकपन
सही - हरिदर पुर्ती हरुदी

26

12/6

F. 10 A No. 143/48
Of 15/6/48

CC [illegible]
[illegible] 14/6

मान्यवर,

छोटानागपुर वो आसामस्थ के गो० एव० लूथेरान मंडलियों के प्रेसिडेन्ट साहब को तमाड़ के कर्मचारी तथा इलाका सभा की ओर से यीशुसहाय ।

महाशय अफसोस के साथ आप को लिखना पड़ता है कि आज तमाड़ इलाके सभा के कर्मचारियों की बैठकी थी। बैठकी के बीच में इलाका चेयर मेन वो इलाका सेक्रेटरी के बीच झगड़ा आरम्भ होगया। सेक्रेटरी की इच्छा हुई कि स्टेशन के आय व्यय तथा दूसरे 2 कामों को देखने चलाने के लिये एक कामिटी होवे। पादरी की इच्छा हुई कि स्टेशन का कुल बात औ काम इलाका चेयर मेन के हाथ रहे। इसी बात का झगड़ा करते करते चेयर मेन ने सेक्रेटरी को काम से स्तीफा देने का हुक्म फरमाया। बाद इलाका चेयर मेन सभा से कहने लगा; अब आगे मीटिङ्ग रहे कि भंग होवे। खजनची ने जवाब में कहा सेक्रेटरी के न होने से सभा का मीनट कौन लिखेगा? खजन्ची का जवाब सुन कर चेयर मेन उठा और अपना घर चला गया। उनके जाने पर सेक्रेटरी अपना स्तीफा लेख सभा को सौंपने चहा। सभा ने उनको जवाब दिया आप का स्तीफा सभा ग्रहण नहीं कर सकता है। कारण सभा आप को स्तीफा देने नहीं कहा है। इसके अलावे आप इलाका चेयर मेन का सेक्रेटरी नहीं पर इलाका सभा के सेक्रेटरी हैं। इलाका चेयर मेन के ऐसे ही बात, काम और व्यवहार से इलाका भर के पंच तथा भाई बहिन नराज वो गुस्सा में हैं।

बिते साल इलाका के भाई बहिन इलाका चेयर मेन को बेइज्जती करने चहा, पर सभा उनको मना किया। बाद मे कौंसिल में ट्रान्सफर का अर्जी किये। कौन्सिल ने इलाके के भाई बहिन तथा पंचों को चर्च सूपर वाइजर के द्वारा समझौता मिला। वे समझौता अनुसार चुपचाप से इलाका चेयर मेन का ट्रान्सफर देखते थे। पर उनको धीरज धरना व्यर्थ ठहरा; कारण कि महासभा के बाद बहुत से पादरीयों का बदली हो चुका। उनके बीच यहाँ के इलाके चेयर मेन को बदली न हुई।

बीती गड़बड़ और आज के झगड़ा के वजह इलाका सभा हो के द्वारा कौन्सिल से अर्जी है कि जहाँ तक जल्द हो सके आप यहाँ के इलाका चेयर मेन को ट्रान्सफर फरमावें। जिस्ते आप इलाके के भीतर बेइज्जत न होवें; तथा ऐसा संयोग गड़बड़ के कारण तमाड़ इलाके के पंच तथा भाई बहिन अपराधी न गिने जायें।

Include Govindpur Chairman to agenda / Rev. P.C. Horo

सभा की अनुमति से
आप के कृपा भिलाषी सेवक

Amlesha
9-6-48

N. Bhengra Ilaka Khajanchi
Rev. C. N. Horo Umbulbaha

Umbulbaka
18/5/48

F. 10A

To
the Secretary
E.C. Ranchi

Sir,

I received your letter No. 709/48/F-48 dated Ranchi the 1st May 1948. concerning the warning for me.

I am much thankfull for this warning.

I hav. the honour to be
Sir
Your M.O.S.

[signature]

3489-90/47/F-10A. 5th Nov., 7.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Kula Church Supervisor and the Rev.K.M.Topno for information and the needful.

C.H.Herenz
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C.meeting held on the 21st October, 1947.

Item No. ~~144~~ 14.

" Petition of Rev.K.M.Topno :- Read letter dated 24.10.47 from Rev.K.M.Topno requesting for transfer and resolved that Rev.S.Kula Church Supervisor be deputed at once to look into the matter and settle it on the spot.

Sd. J.Lakra. 31.10.47. Sd. C.H.Herenz. Secretary. 24.10.47."

CBBCM/3C.

~~According to the C.C. resolution Dt- 3-8-46 item 9 the applicant has been given Rs. 50/- p.m. from July 1946.~~

21/1/47

Recd. a copy of the Agenda of the Mahasabha 47 from the Secretary.

Rev. K. M. Thomas
21-1-47

कार्यकारिणी सभा (अमलेशा) F. 10A.

आज तारीख 31-7-46 को अमलेशा कार्यकारिणी सभा की बैठकी हुई जिसमें खास कर निम्न लिखित बातों पर बातचीत हुई।—

1. 1. सभारम्भ:- पादरी K. M. Topno की सभापतित्व में एक छोटी प्रार्थना के साथ सभारम्भ हुई।

Item 2. हाजिरी:— निम्न लिखित मेम्बरान हाजिर थे (1) Rev. K. M. Topno Chairman. (2) Mr. N. Bhengra Treasurer. (3) Mr. P. Purti Secretary कुल तीन मेम्बर हाजिर थे।

Item 3. स्केल पर बातचीत:-(क) स्केल पढ़ा गया, उसपर सोच विचार किया गया और यह राय हुआ कि स्केल कमेटी ने हाल की दशा पर ध्यान न देके, कलीशा की दशा पर अधिक ध्यान देकर जो स्केल बनाया है सो अमलेशा इलाका के सोच-बिचार अनुसार सन्तोषजनक समझा गया। लेकिन कलीशा के हरएक कर्मचारियों के भविष्य जीवन पर स्केल कमेटी ने शायद ध्यान नहीं दिये, जैसे प्राविडेन्ट फण्ड पर॥

(ख) प्राविडेन्ट फण्ड:- अमलेशा इलाका के समझमें - मिशन स्टेशनों के यू. पी. बोर्डिंग स्कूलों के शिक्षकगण भी प्राविडेन्ट फण्ड में शामिल होने के हकदार हैं, क्योंकि वे भी कलीशा के कर्मचारी हैं वे भी अपना कुल समय कलीशा ही के काम में खर्च करते हैं उनके भविष्य जीवन का कोई दूसरा प्रबन्ध नहीं हो सकता है जैसे देहात के स्कूलों में हो सकता है। इस लिये अमलेशा यू. पी. बोर्डिंग स्कूल के शिक्षकगणों का तथा उनके समान दूसरे स्कूलों के शिक्षकगणों का भी प्राविडेन्ट फण्ड में शरीख होना अति जरूरी है जैसे कि मिडिल स्कूलों के लिये है। कौंसिल इसपर उचित बिचार करेंगे॥

Item 4. G. E. L. Finance Board:- राय:-(a) Finance Board का होना तो बहुत ही जरूरी है॥ (b)

(b) राय:- अमलेशा इलाका दुर्बल क्षेत्र है। वह अबतक अपने कर्मचारियों को पूरा वेतन नहीं दे सकती है, वह अपने कर्मचारियों के लिये तथा अपने निजी काम (इलाका) चलाने के लिये ही तंगदस्त है। सो जबतक जथेष्ट आमदनी और पुंजी जमा नहीं कर पायगी, अमलेशा इलाका सैकड़े देन के लिये असमर्थ है॥

Jule [illegible]

N. Bhengra
Ilaka Treasurer
Amlesha
1/8/46

आप का आज्ञाकारी सेवक:—
P. Purti
Secretary
Amlessa Ilaka.
Dt. 1/8/46.

Ilaka Chairman—
K. M. Topno
1-8-46

388-89/46/F-10A. 22nd February, 6.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.K.M.Topno Amlessa and the Rev.N.Horo Umbulbaha for information,guidance and compliance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the full C.C.meetings held from February 4-13,1946.

Item No. 30 (d)

" 30. Advances :- Considered the petitions from the Seminary students,(2) Pracharak's training school,(3) M.E.School staff (Tokad),(4) Rev.L.Jojowar, (5) Namjan Horo and (6) Mr.Abraham Horo,Govindpur for advance and resolved :-

(a) --- --- --- ---
--- --- --- ---

(d) That the Ilaka be asked to advance Rs. 50/- to Rev.Namjan Horo, the pastor of Umbulbaha for buying rice, and the money be realised by monthly deduction as fixed by the Ilaka.

Sd. J.Lakra. Sd. C.H.Herenz.
President. Secretary.
15.2.46. 15.2.46."

CBBCM/3C.

(A) The full financial report of the whole Ilaka, Particularly 1944 Recd. 27745

F104

8

Annual Income 1944

Amlesa Parish. Particular-den	Rs. as. ps.	Comparision	Umbulbaha Parish. particular den	Rs. as. ps.
Etwar serni	372-1-6		Etwar serni	346-10-3
Ghara serni	436-10-3		Ghara serni	351-15-9
Mandli paisa	61-1-6		Mandli paisa	31-9--
Katni parab dan	167-4-6		Katni para dan	87-1-0
Nayaphal dan	58-4-9		Nayaphal dan	58-15--
Prabhu prit dan	12-4--		Prabhu prit dan	17-2--
Prabhubhoj dan	39-1-1½		Prabhubhoj dan	61-4-10½
Snan dan	14-12-6		Snan dan	10-4--
Mandligrahan dan	0-3-		Mandligrahan	2-9-3
Sadi fees	80-6--		Sadi fees	63-12--
Dhanyabadh dan	31-5--		Dhanyabadh dan	37-11-7½
Rajbridhi dan	28-5-3		Rajbridhi dan	18-5-6
Aneya dan	30-9-9		Aneya dan	4-5-0
Total	1332-5-1½		Total	1091-9-3

The incomes of the two (bouth) parishes are centralised regularly. The short of income we are not getting getting dearness allowance such Ilakas. We bought wants dearness allowance from C.C. I have reported about dearness allowence.

P. T. O.

(B) Amlesa Parish Income — 1944 Annual Income Comparision — Limbulbaha Parish Income

Amlesa Parish Income

Pracharkpan.	population	Total Income Rs. as. p.	Remarks.
1. Amlesa.	69	174-1-6	The situation of dearness and scarecity at Amlesa. The rate of the Rice 2¼ seers per Rs. in present time – and others things are the same.
2. sarayad.	180	151-15-6	
3. Lilihalu	221	129-4-0	
4. Basukocha.	290	225-7-6	
5 Dimniah	243	174-5-9	
6. Senduriburang	234	172-10-1½	
7. Pandadih	366	226-8-0	
8 Koidih	158	64-13-9	
9. jorajangid.	59	12-3-0	
grand-Total —	1820	1332-5-1½	

Tamar Ilaka
Date 2?/7/45
Ilaka chairman —
K. M. Topno.
Amlesa.

Limbulbaha Parish Income

Pracharkpan.	Population	Total Income Rs. as. p.	Remarks.
1. Limbulbaha.	280	271-4-9	The situation of dearness and scarecity at Limbulbaha the rate of the Rice 2 seers per Rs. in present time and I do not know the rate of other things.
2. Maluti	277	106-10-3	
3. chalkad.	258	114-3-1½	
4 Longa.	397	187-7-6	
5. Cholabili / Redsua	92 / 84	138-12-0	
6. jambirabera	219	63-9-6	
7. Chittung.	115	90-10-4½	
8. Kurmbada	~~208~~ 199	118-15-9	
Total —	1921	1091-9-3	
singbhum —	13		
grand Total —	1934		

F-10A

Camp Tokad.
25/1/46.

To Mr. H. Herenj
The Secretary. C.C.
Ranchi.

attended

Dear Sir,

it is to remind you that I have made an application of Rs. 200 (two hundred), what is going to be done in the Church Council. Please let me know whether h[illegible] of matter was put in the C.C. meeting of Jan. 46 or. not.

I shall be thankful of your kind reply, because I am put in the great defficulty. I request you to do the work clearup as soon as possible.

Yisusahay
your's faithfully

N Toppo

Pastor
Umbulbake.

NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES DELIVERED
24 JAN. 46
RANCHI

POST CARD

9 PS
INDIA POSTAGE

25 JAN
SINGH...

ADDRESS ONLY

To

Mr. C.H. Herenj.

G.E.L. Church Compound

Ranchi.

Dist. Ranchi.

Umbulbaha.
13-12-45.

To,
The Secy C.C.
G.E.L. Church. Ranchi.

F 10A

Recvd
14/12

मान्यवर महाशय,

आप को मेरा यीशुसहाय।

आपकी चिट्ठी में यही मिला कि दिसम्बर में रेल्वे बुकिंग लिया जायगा। इसके बिषय मैंने बहुत जांच पड़ताल किया और यही पाया कि अभी बुकिंग नहीं लिया जायगा। इस प्रकार से मैं डेरेक रूट से अपने सामानों को नहीं ले जा सकता हूं। मैं कठिनता में पड़ा हूं। फिर ७०) रु० एडवंस १६-११-४५ में M.O. से खजांची भेजा है सो भी आजतक नहीं मिला है।

मेरी दीन पूर्व्वक अर्जी यही है कि C.C. मुझे खूंटी- सिमडेगा होके जाने का हुकुम जल्दी देवे और ७०) रु० को छोड़ के और १५०) रु० advance रुपैया देने की कृपा करे क्योंकि महंगी के कारण हाथ में रुपैया नहीं है। बिना रुपैया कैसे चीजों को ले जाऊंगा। चीज़ों को छोड़ना नहीं बनेगा बहुत नुकसान होगा।

मुझे ३१-१२-४५-को जुनैन पहुंचना चाहिये इसलिये मैं २०-१२-४५- को उम्बुलबहा छोड़ूंगा।

इसलिये आपसे अर्जी है कि बहुत फुर्ती Order और रुपैया भेजने की कृपा करें जिस्ते मैं धोखा न खाऊं क्योंकि मुझे १-१-४६-को काम शुरू करना होगा।

आपके इस उपकार के लिये धन्यवादी हूंगा।

प्रभु में आपका
आज्ञाधीन सेवक,
S.D. Silas Bage Pastor.
Umbulbaha.

उपरोक्त बातें ठीक हैं।
उनको जुनैन रेलगाड़ी से जाने में बहुत कठिन है उन्हें खूंटी सिमडेगा होके जाने का हुकुम
P.T.O.

Umbulbaka
23-12-45.

To
The Secy, G.E.L. Church Council

[illegible]

फरमाया जाय। 60) रु. उन को
के जलपान इत्यादि के लिये
काफी न होगा - सो उन्हें और 150) रु
एडवांस देने की कृपा करें क्योंकि उन के
पास मंडली के कारण कुछ भी पैसा नहीं है।

Ilaka Chairman
K. M. Horo
12/12/45

REVD. KUSHALMAY TOPONO.

G.E.L. Church,
Amlesa,
P.O. Tamar, Ranchi Dist.

Amlesa F10A 8

19th sepetember 1944.

To
The C.C. Secretary the
G.E.L. Church Ranchi.
[above the line: the Surin.]

महाशय
I मैं आप को जनाता हूं कि टमाड़ इलाका सौ बरसीया जुबिली मनाने के लिये अपने टमाड़ इलाका में पाप गिरो लिये आमलेसा और उम्बुलबहा में ~~एक~~ एक 2 बेदी और क्रूश बनाया जावे। इलाका यही [illegible]सला की है।

II हमारे ओरोनोमस कलीसिया 10 जुलाई 1944 को 25 बरस ~~बरस~~ होगया। यह 25वां बरस जुबिली मनाया गया। टमाड़ इलाका में एक साथ हम लोग नहीं मान सके। आमलेसा पेरिश आमलेसा ही में, उम्बुलबहा पेरिश उम्बुलबहा ही में माने। एक ही स्थान में मानना कुछ कठिन जान पड़ा। कारण तो पानी और नहीं है। हम लोग अलग 2 माने।

III हिसाब —
हमारे इलाका में कोई विशेष धन्यवाद के दान नहीं चढ़ाया गया। केवल साधारण दान दिया गया। कुल जमा 23 रु० 2 आना 6 पाई हुआ।

आप के आज्ञाधीन सेवक —

K.M. Topno.

Ack. 24-9-45

F 10A

REVD. KUSHALMAY TOPNO.

G. E. L. Church,
Amlesa, P.O. Tamar,
Dist. Ranchi.

Cc. [illegible] Secretary 1/10/45

20th Sept. 1945

To
the
E. C. Secretary Conference
G. E. L. Church Ranchi

महाशय,

आप के १४/६/४५ की चिट्ठी मुझ को मुझ को मिली। ३[?] दिसम्बर १९४४ की बचत को मैं नहीं भेज सकता हूं। क्योंकि टमाड़ इलाका के कर्म्मचारियों को पुरा तलब नहीं दिया गया। फिर कर्म्मचारियों को मंहगी सहायता भी नहीं दिया गया। यह आशा रख कर कि १९४५ जनवरी महिने पुरा तलब और महंगी सहायता दिया जायेगा। कैस में १३६ रु० ३ आना १०½ पाई बचत दिखाया गया सो १९४५ जनवरी महिने के लिये डिपाजीट किया गया और १९४५ जनवरी महिने में वह बचत रुपैया बांटा गया। निश्चय आप लोग जानते है कि टमाड़ इलाका पिछड़ी हुई इलाका है। पर अब थोड़ा जागृत हो रही है। इस विषय[?] हम आर्जी करते हैं कि 10% बचत को से भेजने में असमर्थ हैं।

आप के आज्ञाकारी सेवक —

K. M. Topno

1784-86/45/F-10A.   15th September, 5.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.K.M.Topno Amlessa, the Rev.P.D.Silas Bage Umbulbaha and the Treasurer G.E.L.Church for information, guidance and compliance.

for Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Exemutive Committee held from 5-10-September, 1945.

Item No. 15.

" Financial statement of Amlessa Parish :-
Read the financial statements of Umbulbaha and Amlessa Parishes in connection with the occasional help xxxxxx requested by Rev.P.D.S.Bage and as submitted by the Ilaka Chairman. The statistics show that Umbulbaha is in a better position to make more income than Amlessa because there is more Christian population than that in Amlessa. But the income is less, this shows that sufficient labour is lacking on the side of UmbulbKaha. The Karmcharis should see to it. Resolved that a sum of Rs. 15/- be paid to Rev.P.D.S.Bage as a special help out of the Dearness Allowance fund, but he cannot be given recurring allowance.

Sd. J.Lakra.
7.9.45.

Sd. C.H.Herenz.
Secretary.
6.9.45."

CBBCM/4C.

उम्कुकबला।

8-८-88.

F 10A

To,
The Secretary C.C.
G.E.L. Church.
Ranchi.

मान्यवर महाशय,

आपको मेरा यीशुसहाय।

मैंने २२-8-88- को अपना हालत दरखास्त द्वारा जनाया। आपने फिर उस दरखास्त के अनुसार सवाल किया। मैंने सवाल का भी जवाब २२-५-88- को दिया पर अब तक आपकी और से किसी प्रकार का जवाब नहीं मिला है।

मेरी अर्जी है कि ऐसी कठिन हालत में आप दया करके मेरी सहायता कीजियेगा अन्यथा मेरी हालत और भी कठिन हो जायगी। मैं आपके पास आशा और विश्वास के साथ अर्जी करता हूं सो मेरी दीन अर्जी पर अनुग्रह कीजियेगा। मैं आपके इस उपकार के लिये आपको धन्यवाद देने को तैयार हूं।

प्रभु में,
आपका आज्ञाधीन सेवक

R.D. Silas Bage
Pastor

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Memo No. 1299-1300/45/F-29 10A. Dated Ranchi, the 18th July, 1945.

The undermentioned document is fowarded to the Rev.K.M.Topno and the Rev.P.D.S.Bage for information, guidance and compliance.

President,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 13th July, 1945 at 3 p.m.

Item No. (21)

" Occasional Help to Rev.P.D.Silas Bage :- (a) Read application dated 3-7-45 from Rev.P.D.Silas Bage for occasional help. Resolved that the application be returned to the Ilaka Chairman with a request that full financial report of the whole Ilaka particularly of Umbulbaha Parish be submitted to the C.C. as early as possible.

(b) The Ilaka Chairman be requested to report whether the incomes of the two Parishes are centralised. Further the Ilaka Chairman to report the Christian population of each Pracharakpan with its giving capacity (dan dene ki (leyakat) shakti) and also the situation of dearness and scarecity at Umbulbaha in comparision with that of Amlessa.

Sd/- J.Lakra.
16-7-45.

Sd/- C.H.Herenz.
Secretary.
13-7-45."

CBBCM/3C.

Camp Diankel
[illegible]1-44.

F-10A

To The Secretary
G. E. L. church
Ranchi.

Sir
I beg to state that I have left Kumbulda for Khutitoli and have reached Diankel with my saman. Now I am in difficulty to continue my journey for the advance received from the C. C. is not sufficient to cover the transfer expenses. I therefore request the C. C. to send an additional advance of ~~Rs~~ 80. in my address of Khutitoli. Hope, this ~~arrange~~

arrangement [illegible]
will enable me to
reach my new [illegible]
Thanking you in
anticipation.

Yours faithfully
M. Toppo
Pastor [illegible]

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 9 PS

To. The secretary
G. E. L. Church
Ranchi.

10th May, 1944.

1019/44/F-10A.

To

The Rev.P.D.Silas Bage.
G.E.L.Church,Umbulbaha.
P.O.Bandgaon. Dist. Ranchi.

Rev.Silas Bage,

Main ne Mr.Mangal Mundu se suna ki hai men chawal ka bhao purti rupaiya ek seer ho gaya hai. Kya yah bat sach hai ? Ap log kis tarah jiwan nirbah karne ka upai kiye hain, yane kay ap ne sal bhar ke liye chawal ya dhan kharid liya hai ? Kya dusre dusre chij sasti hai ? Talap ap ko pura milta hai to kya yah Rs. 30/- yathest hai athwa nahin ? Purn C.C. June ~~xxxx~~ 1-5, 1944 tak baithegi so ap ki chithi us ke pahile mujhe milna chahiye.

Ap ka bishwast,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to Rev.K.M.Topno for similar report.

10A

REVD. KUSHALMAY TOPONO.

G.E.L. Church,
Amlesa,
P.O. Tamar, Ranchi Dist.

20 Th Diecmber 1943.

To
the Secretary G. E. L. Church
Ranchi.

महाशय,

मैं आप को जनाता हूं कि उम्बुलवहा पेरिश का चार्ज १५-१२-४३ को बाबू पादरी M. Topno इनाका को सौंपे। इलाका ने उस के चार्ज को ग्रहण किया और निरिक्षण भी किया गया है।

I. विशेष कर के मैं पैसा कौड़ी का हिसाब देता हूं।

	Rs. as. P.
1. C.C. से मिला	175-0-0
2. बोर्डिंग घर गड़ा से 800 नाली खपरा का दाम	4-0-0
	179-0-0

खर्च

चिमनी को ओसाड़ करने में 54-रु० 10 आने-0
हाथ में है 124-रु० 6 आने 0
मिजान - 179-रु० 0—

II. Prabhu Bhoj fund. Rs. 60-0-9 P

	खर्च
	Rs. 38-5-0
Balance ~~is~~ in hand ~~hand~~	Rs. 21-11-9
Grand Total	60-0-9

III. Hatha Awad — Rs. as. P. 7-6-3
Expenditure 5-13-0
In Hand 1-9-3
Grand Total 7-6-3

K. M. Topno

10A

Umbulhaka
The 4th Nov. 1943.

To

The Hony, Secretary
G. E. L. Church
Ranchi

Dear sir

I beg to acknowledge with thanks receipt of your letter No. 2476-77/43/F-52 dated the 25th october 1943, and reply, I would like to come to the C. C. Office on the 24th Nov. 1943.

Yours faithfully
M. Toppo
Pastor Umbulhaka.

10A

CC

महामान्यवर प्रसिडेन्ट साहब लुथेरान चार्च रांची को मुझ
अनन्त कुमार कोटका प्रचारक पन कुड़डी, पतकोम, पो० ओ०
इचागढ़ की ओर से यीशु सहाय होवे।

महाशय —

तबेदार १९०२ ई॰ से मिशन का काम आरम्भ किया है।
गांगपुर, पुरुलिया, मोरभंज, टाटानगर आदि स्थानों में काम करते हुए
अभी बूढ़े समय में कुड़डी में ही काम कर रहा हूं। मेरी धर्म्म पत्नी
टाटानगर में काम करते ही एक बेटा और एक बेटी को मेरे हाथ में छोड़
कर प्रभु में सो गई। उन्हीं दिनों में पहला महायुद्ध सुरु हुई, और बिना
तनखा के बड़े तकलीफ सहित मन्डली का काम सम्भालता था। बेटा —
पागल के तरह है बुद्धि नहीं, बेटी सादी हो गई है। अब बेटा के साथ
रहकर इस दूसरे महायुद्ध में बड़ी तकलीफ खर्च बर्च में हो रहा है —
महंगी के वजह, मेरा तनखा ८) आठ रुपैया है, आमदनी होने पर पूरा
मिलता है, और जिस महीना में कमती हुआ तो नहीं पुरता है, जिस से
दोनों का गुजारा चलाना मुस्किल हो रहा है। इलाका भी कुछ करने नहीं
सकता है कारण इलाका के कर्म्मचारियों और इलाके
का भार उसके हाथ है। तबेदार को टाटानगर में रहते १५) रुपैया
दिया जाता था। तबेदार अब लाचार बस अर्जी मालिक के पास भेज
कर उम्मेद रखता है कि मेरे लिये उचित बिचार करके मेरे पालन
पोसन का उपाय कर दिया जाये।

Where Chairman — [illegible] Lake.
P. Tamar
Dist Ranchi
A.M. [illegible]
15-2-43

70-71/44/F-10A. 11th Jan., 1944.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.K.M.Topno and Babu Anandkumar Kotka of Kuidih for information and guidance.

Th.Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the full C.C. meeting held on the 6th January, 1944.

Item No. Add. 8(b)

" 8. President's matters :-

(a) --- --- --- --- --- ---
--- --- --- --- --- ---

(b) Application dated of Babu Anandkumar Kotka of Kuidih, Tamar for pension :-

The applicant Anandkumar Kotka was a Pracharak of the Church for a long time and now retired on account of old age and he prays for pension.

Resolved that the applicant be informed that Church does not pay pension to Pracharaks and as such he cannot be given Pension. He be further informed that his application is refered to the Tamar Ilaka with the request to give him some gratuity if possible."

Sd/- J.Lakra. Sd/- Th.Surin.
7-1-44. 6-1-44.
Hony. Secretary.

BBMINZ/3C.

3rd November, 1943.

2590/43/F-10A.

To

The Rev.M.Topno.
G.E.L.Church,Umbulbaha.
P.O.Bandgaon. Dt. Ranchi.

Dear Mansidh,

I am herewith sending you four sheet of carbon papers as you asked for. Please let me know when you are intending to come to Ranchi. I hope you have got your transfer order.

If you are calling the Durang-puthi Committee (Executive) before Christmas, I shall talk over the matter then, otherwise you shall have to come to Ranchi.

Yours sincerely,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BBMINZ/2C.

27th October, '43.

2496-97/43/F-10A.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.K.M.Topno and the Rev.P.C.Punoria for information and guidance.

Th Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the Enlarged C.C. Executive Committee held at Govindpur on the 1st October, 1943.

Item No. 17.

" Kuidih Pracharakpan :- The Pastor K.M.Topno of Tamar has written to the C.C. for the transfer of Kuidih Pracharakpan to Purulia Ilaka on account of language difficulty.

The Purulia Ilaka writes that the said Pracharakpan is 65 miles away from Purulia and is an isolated congregation. It should therefore be retained in Tamar Ilaka for better Pastoral care.

Resolved that Kuidih pracharakpan be retained in Tamar Ilaka till Purulia Ilaka gets a new and young Pastor.

Sd/- J.Lakra. Sd/- Th.Surin.
20-10-43. 1-10-43."

BBMINZ/3C.

Amlesa. 10A
17-6-47

To
The C. C. Secretary, G. E. L. Church,
Ranchi.

Mahashay,
Main aps ko dinta purbak Chhuvachhut bishayak baten Puchhna chahta hun.

(a) Chhuvachht bishay men Mahasabha ne keya Phaysala kiya hai? ~~18 bish~~ yah bishay Mtr. P. Hurad secretary the. us sagnay Phaisala huvi hai. Our Phichle bhi Mahasabha men huvi hai to ~~jaune~~ elaka jaune chahti hai.

(b) Koi Bhai ajat ke dosh men Pakra Bhi gaya to us ko jati men lane ke liye key Bidhi ho sakti? hai? Is ajati ke bishay men hamare ~~ke~~ Haka men bat nikli hai. Na kewal garban Bhi hai. ~~Ham log~~ un ko kaisa saut Karenge.

Main arji karta hun ki in do saavaloṅg long ko batate huwe Aap apni salah bhi dene ki kripaya karenge. jisse.
Ham log is garbar ko milane sakeṅ.

Ap ke agyakari sewak
Ru. K. M. Tofiono.
17-6-43

To. The Secretary of E. L. Church
Ranchi.

Dated Umbulthaka the 20th Dec. 1942

Mahashay,
 Ap ko mera yishusahay,
ap ki chitthi tarik 7-12-42 ki kal tarik
19-12-42 ko mila, jiske liye ap ko bahut
bahut dhanyabad. Ap se mulakat karne
ki hari lalsa hai, par kab, Achha hoga
Tokad men, Asha karte hain ki tin haptah
pahle mujh ko apne ane ka hal denge. Ap ka bishwast
M. Toppo
Pastor.

POST CARD

ADDRESS ONLY

DELIVERY

V 22 DEC 43 V

3 —P.M.

RANCHI

To The Secretary

G. E. L. church

Ranchi

3rd July, 43.

1450-53/43/T- 10A.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. E.N.Topno, Rev.N.Topno, Rev.M.Manki and Rev.S.Surin for information and guidance.

Tinfosmi

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C.C. Executive Committee held from 22-29 June, 1943.

Item No. 35 of 23-4-43.
Item No. 7 of 15-5-43.

" 35 of 23-4-43. Request for financial help for Amlesa :-
7 of 15-5-43. Letter from the Revs. S. Surin and Mansukh Manki of Tokad Ilaka dated 7-5-43 for finacial help from the C.C.

Both these Items were taken together and considered.

Resolved that these Ilakas, if they labour a little more they c an themselves improve their financial condition, and as such financial help be not given to them."

BHWIHL/SG.

19 (4)

C.C. Ex'

Church Council
Received... ~~Al~~ Application
Register No. 113
Date 20-11-42
F. 10 A
Reply To..........
Date..........

Want a Bible woman

To C.C. – Information p.c. 18/11/42

मान्यवर सी० सी० के कमल चरणों पर तमाड़ इलाका पंच की दीनहीन निवेदन।

महामान्यवर, प्रेसिडेन्ट रेभ० जे० लकड़ा साहब को यीशुसहाय।

महाशय तमाड़ इलाका सभा की बैठकी अमलेशा में ११ नोवेम्बर १९४२ को हुई थी। सभा मंडली की आत्मिक वो लौकिक बातों की उन्नति का उपाय खोज-करने लगी। पंच गण लौकिक बातों की उन्नति का उपाय एक दो अपने लिये खोज लिई। लेकिन जब आत्मिक बातों की उन्नति का उपाय खो जा रहा था तब पंचों में से कितने बोल उठे कि हमारी इलाका सब बातों में दूसरे २ इलाकों से पीछे पड़ी है; अवश्यक है कि हमारे कर्म्मचारी धर्म्म शिक्षा देने में अधिक जोर करें। हां विशेष कर बहिनें ओ लड़के लड़कियां धर्म का ठीक २ ज्ञान पावेंगे तो निश्चय है कि आत्मिक उन्नति हमारी इलाके के अन्दर भी होगी।
इस पर इलाका चेयरमेन बोले कि क्या ही भली बात होती कि हमारे इलाके के बहिनों को धर्म मार्ग पर अगुवाई करने वो धर्म शिक्षा सिखाने के लिये एक प्रचारनी रखी जाती। जब इलाका चाहे और प्रचारनी के लिये सी० सी० को बिन्ती करे, तो अवश्य हमारी दशाचार पर सोच कर मदद देने की कृपा करेंगी। इलाका पंच इलाका चेयरमेन की सम्मत्ति पर यह संकल्प किई।

कि इलाका पंच चार्च कौंसिल से निवेदन करे कि आप हमारी इलाके की सेवा में एक प्रचारनी भेजने और उसे माहवारी देने की भी कृपा करें। क्योंकि आप जानते हैं कि हम सब-कुछ में बहुत पीछे हैं। सी० सी० की सहायता पाके इलाके को थोड़ा बहुत धर्म्म की उन्नति की सिखर पर चढ़ने का सहास बढ़ेगा।

आप का विश्वास्त सेवक:—

Nirmal Bhengra
Ilaká Sectory
14-11-42

आप विश्वास्त:—

Rev. K. Tofiono
14-11-42

No. 546-47/43/F.10A. 23rd March, 43.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.P.C.Punoria and the Rev.K.M.Topno for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the full C.C.meetings held from 6-8 January, 1943.

Item No. 2.

" Rev.K.Topno's letter for the Transfer of Kuidih Pracharakpan to Purulia Ilaka :- Opinions of the Purulia Ilaka, and of the Kuidih pracharakpan be asked as to whether said Ilaka wishes to take back this pracharakpan and where this pracharakpan interests to be whether to remain in the Tamar Ilaka or to go over to the Purulia Ilaka."

BBMINZ-3C.
23-3-43.

F. 10A.

Rd. 27-10-42

To,

The Church Council, G. E. L. Church Chota Nagpur & Assam,

Ranchi.

Dated Govindpur, The 21st Oct. 42.

महाशय,

हम सविनय हमारे C. C. के माननीय सभासदगणों के सामने, निम्नलिखित बातों को गौर विचार के निमित पेश करते हैं —

1. माननीय C. C. ने तमाम इलाके की पिछड़ी और गिरी दशा का विचार कर के उम्बुलबहा गिर्जा घर मरामती का Estimate तैयार करने के लिये मान्यवर Assistant Manager, Board of Management, को मिशन तहशीलदार के साथ भेजने की कृपा की। उनके Estimate और सिफारिश पर कौंसिल ने उपरोक्त मरामती के निमित १७५) रु अंके एक सौ पचहत्तर रुपये देने की कृपा की है।
इस दयापूर्ण उपकार के लिये हम आपको अपना हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

2. उन रुपयों से कुछ बहुत काम किये गये हैं - अर्थात — खपड़ा और कुछ बला चिरवाया गया है, जिसमें ५०) रु. अंके पचास रुपये खर्च लगे। अधिकांश शेष काम बरसात के पहुंचने के कारण नहीं किया जा सका।

3. अब हम उस आरम्भ किये काम को जल्द ही पूरा करने की भारी चिन्ता में हैं - पर वर्तमान काल की स्थिति और सब चीजों की महंगी के कारण उन बाकी रुपयों से उपरोक्त मरामती काम पूरा करना बहुत ही मुश्कील है।

इसलिये हम दीनता पूर्वक अर्जी करते हैं कि उपरोक्त गिर्जा घर की मरामती को समाप्त करने के लिये, कौंसिल और २००) रु. अंके दो सौ रुपये मदद देने की कृपा करें, जिससे वह काम जो सुरु किया गया है, ईश्वर की महिमा के लिये पूरा किया जाय। इस दयापूर्ण उपकार के लिये हम कौंसिल के प्रति बहुत धन्यवादी रहेंगे।

आप का आज्ञाधीन सेवक,

K. Topno 21-10-42
इलाका चेयरमैन.

M. Topno 21-10-42
पेरिश चेयरमैन.

C. M. Mundu. 21.10.42.
पेरिश सेक्रेटरी उम्बुलबहा।

E. Bage. 21/10/42
इलाका खजान्ची.

from Rev. K. Tofono
G.E.L. church Amlesa.

Answered [illegible] 17/1/43

Amlesa.
16-1-43

To,

The C.C. Secretary G.E.L. church Ranchi
Mr. Th. Surin. B.A.B.L.

महाशय,

आप को बहुत २ धन्यवाद होवे कि आप हमारे इलाका के लिये एक प्रचारिका को भेज दिये हैं। वह आमलेसा पहुंची है। अभी उस को आमलेसा के प्रचारकपन के टोलों में काम सौंपे हैं। प्रचारकपन दूर होने के कारण उस को काम को ठीक बन्दोबस्त नहीं किये हैं। फरवरी महिने से उस को काम को ठीक बन्दोबस्त करेंगे। मैं आप से आज्ञों के साथ सलाह लेने चहता हूं कि इलाका भर में उस को काम दिया जाय या एक ही प्रचारकपन में काम दिया जाय। आप सलाह देने की जरूर कृपा करेंगे। भाईयों को इच्छा है सलाम करें। आप के आज्ञाधीन सेवक -

Rev. K. Tofono.

7-12-42
Hony Secy

महामान्यवर सेक्रेटरी जी ई. एल. मर्च रांची को यीशुसहाय

महाशय,

मैं हमारी कलीसा सम्बन्धी एक दो बातों को इस प्रेमेर चिठ्ठी के जरिये जानना चाहता हूँ। हम लोग यहां जंगल के बीच में हैं जहां से इधर उधर निकलना भी किसी सज्जन से मुलाकात करना भी नहीं बनता है। कृपाया जनावें:— (१) मान्यवर स्तोश साहेब का हाल (२) गोस्सनर हाई स्कूल का हाल, (३) Mr. J. Barla कब हमारे कलीसा में आवेंगे (४) कब आप से कभी टोकाद में मुलाकत कर सकते हैं। सुनते हैं कि आप टोकाद बहुधा आया करते हैं। (५) यहां के हेडमास्टर ने बदली की दरखस्त दी है- अच्छा ~~होगया~~ होगा कि सुसमय में उसकी बदली होवे तथापि जनवारी से यहां दूसरा हेडमास्टर आवें। और बातों को लिखना उपयुक्त नहीं समझते हैं।

आप का विश्वस्त
M. Topno
Pastor.

Secy CC.

I have recd money. The notice which is desired to be published should be sent to me. Sample may be found in March 42 G.B. P. 59 [illegible] 1.7.42

Amlesa
G. E. L. Mission Compd
25/6/1942

मान्यवर, सी॰ सी॰ Hony. Secy. म॰ थे॰ सुरिन को यीशुसहाय होवे।

महाशय आप के पत्र नं॰ 1247/42/F-10A. तारिख २८ मई १९४२ के जवाब में लिखता हूं। कि चार्च कौंसिल अपनी २५-५-४२ की बैठकी में जो मांग किये हैं, वह सब इलाका चेयरमैन Rev. K. Topono के मरफत और आप के शिफारिस से थिमोतियुस सोय साकिन जोडाजंजिर c.c को सौंपता है। याने :—

१/ अपने अगामी सादी सर्टिफिकेट का आधकरी।
२/ इश्तिहार घरबन्धु में छपवाने के लिये ५) रुपैया फीस।

आशा है इन सब को पाने पर c.c शीघ्र घरबन्धु में इश्तिहार निकालने (छपवाने) को कृपा करेंगे।

Recd 6/7/ [illegible] 617

आप का विश्वास्त —
N. Bhengra Ilaka Secy.

महाशय,

उपर्युक्त लिखित के अनुसार मैं

I थिमोतियुस सोए के सादी सर्टिफिकट का आधकरी हो को भेजता हूं जो कि थिमोतियुस को दिया गया था।

II इश्तिहार घरबन्धु में छपवाने के लिये ५) रुपैया फीस, घरबन्धु सम्पादक, Rev. J. J. P. Tiga के पास भेजा गया है।

आप का आज्ञाधिन सेवक
Ilaka chairman —
Rev. K. Topno
25-6-42

No. 1493

Forwarded to Gharbandhu Editor for publication. [illegible] Hony Secy 30/6/42

Ecclesiastical No. 10. Appendix I.

CERTIFICATE OF MARRIAGE.

Fr 1928

बिवाह का सर्टीफिकट ।

No. नम्बर।	When married. कब बिवाह हुआ।			Names of Parties. दोनों पक्षवालोंके नाम।		Age. उमर।	Condition. हाल।	Rank or profession. पदवी वा पेशा।	Residence at the time of marriage. बिवाह होनेके समय का निवास स्थान।	Father's name and surname. बाप का नाम और कुल नाम।
	Date. दिन।	Month. महीना।	Year. बरस।	Christian name. इस्तबाग्मो अर्थात संस्कार नाम।	Surname. कुल नाम।					
1	14	2	1928	Timothiyus	Soy	30yrs	Becheler	Farmer	Jorajanjiri	Dibar Soy
	"	"	"	Rahil	Bodra	15yrs	Maid	Farmer	Dango	Abiraham Bodra

Married in the Lutheran Church at Umbulbaha by the Rev. Paulus Munki Prakah. Topono

मे बिवाह हुआ।

This marriage was solemnized between us { तिमोथियुस सोय + ; रहिल बोदरा O } in the presence of us { शिबिल सोर बाकडीह ; चमादास रामोता }

हमारे आपसमें यह बिवाह हुआ। हमारे साम्हने बिवाह हुआ।

G. E. L. M. P., RANCHI.

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

9 PS NINE PIES 9 PS

To The Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

Umbulbaha
6-4-42

Mahashay

Ap ko malum howe ki Umbulbaha girja ghar ki maramati ke liye saman jama kar rahe hain. So kam ki subhite o rupaiyon ke subyabahar ~~ke~~ hone ke liye ap se arji karte hain ki bari mihar wani karke Estimate C. C. dwara grahan kiya hua shighar bhej dijiye.

Ap ka bishwast
M. Topono
Pastor Umbulbaha

34

CC

10A

10A

Umbalbaha
16-[illegible]-42

To The secretary
G. E. L. church
Ranchi

Yes, Press has been instructed.
[illegible] 22/4

12

Mahashay,

Is ber Burju men ~~Mahasabha~~ hone wali hai jis se Ranchi jane ke manke nahin ho raha hai., So hamari arji hai jadi ban pare to Press ke Pustakon ko Burju men le aneka bandobast kiya jae, taki hamari mandlion ki atmik bhukh o pyas

bujhai ja sake.

Apka bishwast
M. Toppo
Pastor [illegible]

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
9 PS NINE PIES 9 PS

To The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi

1 D A

G. E. L. Church
~~Mission~~ Compound
Amlesi
22/5/1942

C.
4
28/5/42

मान्यवर Rev. J. J. P. Tiga भूतपूर्व सी० सी० सेक्र० को यीशुसहाय होवे।

महाशय, तमाड़ इलाके के डिमनिया प्रचारकपन पंचों के द्वारा निम्न लिखित रिपोर्ट अमलेशा पेरिश में पेश किई गई हैं। उस प्रचारकपन के कोरलोन्द गांव में अबिराहाम पुर्ती नाम का एक भाई रहता है। उस की पहली पत्नी पांच बरस बीते मर गई। उस की मृत्यु बाद अबिराहाम एक एस० पी० जी० मंडली की एक बहिन को जो शादी हुई थी लेकिन अपने पुरुष से १८, २० बरस से त्यागी गई है ले आया है। दोनों प्राय: तीन बरस एक साथ रह चुके हैं। अबिराहाम पुर्ती उस दोष के कारण मंडली दंड में रखा गया है। इन साल दोनों भाई बहिन गिर्जा के बाद प्रचारकपन पंच से अर्जी करते हुए बोले कि हम दोनों अपने पापों को बूझ लिया है और मानते भी हैं कि अगर इसी पाप में मरेंगे तो हम विनाश होंगे। वे गिर्जा बराबर आते हैं हो सकता है इसी से उन के मन में पश्चाताप उत्पन्न हुआ होगा। प्रचारकपन पंच बहिन से बोला कि तुम को अपने पहिले पुरुष के पास जाना जरूरी है। वह जवाब दिई कई बार मैं उस के पास गया पर वह मुझ को ग्रहण करने अस्वीकार किया क्योंकि वह दूसरी स्त्री को पाई है अन्त में इस के साथ मेरी भेंट हुई और अभी मैं आनन्द से इस के साथ रहती हूं। प्रचारकपन पंच उसे बोला तुम अपने पुरुष को नोटिश जरिये पकड़ो। वह जवाब दिई हमारी एस० पी० जी० मंडली ऐसा करने अस्वीकार करेगी। मैं जीवनभर ऐसी ही दुख दशा में रहूं तो रहूं पर दूसरी शादी मेरे पुरुष के मरने पर भी मेरे लिये रास्ता न दिखावेगा। पुरुष से पंच ने बोला उसे निकाल दो वह भी कहने लगा हम दोनों तीन बरस प्रेम से जीवन बिता चुके हैं सो उस को कैसे छोड़ दूंगा?

प्रचारकपन के रिपोर्ट पर पेरिश बहुत तर्क वितर्क सोच विचार पर कितने पंच बोले कि अबिराहाम को बड़ी सजा देना जरूरी है। तिस पर कितने मेम्बरान कह उठे कि आज के सेटम नम्बर ६.(b) के बारे कौंसिल से सलाह लिया जाये कदापि आप उस पर उचित विचार करके इन के बचाव का उपाय पेरिश को जना देंगे।

पेरिश लाचार वश कौंसिल के आगे उपरोक्त बात को पेश करती है कौंसिल उचित विचार कर पेरिश को जना देने की कृपा करेंगे कि इन बेचारों के लिये क्या उपाय करेंगी।

इलाका चेयरमेन!
K. Tofiono
22-5-42

आप का कृपा भिलाषी
सेवक
इलाका सेक्र०
N. Bhengra

10 A

G. E. L. Church

~~Mission~~ Compound

Amlesa

22/5/1942

C. [illegible]
25/5/42

मान्यवर Rev. J. J. P. Tiga भूतपूर्व सी० सी० सेक्रेटरी को यीशुसहाय होवे।

महाशय, खरसांवां पोलिटिकल स्टेट के अन्दर तमाड़ इलाका के जोड़ाजंजिर प्रचारकपन में एक भाई रहता है उस का नाम तिमोथियुस सोय बाप का नाम मृत उबार सोय साकिन जोड़ाजंजिर का बिवाह उसी स्टेट के जंगो गांव के अबिराहाम बोदरा की बेटी रहिल बोदरा से हुई थी। शादी के दो बरस पीछे रहिल अपने धर्म पति के घर से निकल कर कहीं चली गई। बहुत तालाश करने पर पता न चली और अभी तक उस की पता किसी से न मालूम है। उस का निकल जाना करीब १२ बरस गुजर जा रहा है। इस दशा में तिमोथियुस को अनेक तरह का तकलीफ उठाना पड़ता है। अपना बिपद देख बार २ तिमोथियुस भाई अपने प्रचारकपन पंच से अपना तकलीफ घटाने का सम्मति पूछते रहता है। प्रचारकपन पंच तिमोथियुस सोय के इस बात का रिपोर्ट अपने प्रचारकपन पंच मिलकर द्वारा पेरिश में पहुचाये। पेरिश उस का जांच किया बाद इलाका सभा में बिचार के लिये पेश किया। इलाका भी जांच कर यों संकल्प किया, कि भाई तिमोथियुस के बिषय इलाका सिफारिश करती है कि चार्च कौंसिल घरबन्धु द्वारा तीन महीने लों नोटिश रहिल बोदरा को सुनावे जिस्तें जब वह जीवित है तो नोटिश पाकर अपनी धर्म पति के पास लौट आवे। तिमोथियुस भाई आनन्द से उसे ग्रहण करेगा। लेकिन रहिल का पता अगर न मिले तो चार्च कौंसिल तिमोथियुस भाई को दुसरी शादी का इजाजत देने की कृपा करे।

इलाके सभा के इस संकल्प अनुसार तिमोथियुस सोय नोटिश छपवाने के लिये ५) रु० फीस भी इलाके के पास भेज दिया है। इलाका इस ५) रु० को चार्च कौंसिल के पास भेजकर दीनता सहित अर्जी करती है कि उपरोक्त बात का नोटिश कौंसिल घरबन्धु में छाप कर निकाले हां तीन महिनों तक नोटिश देना जारी रहे जिस्तें रहिल अगर जीवित कहीं है तो इन तीन महीने के अन्दर तुरन्त तिमोथियुस के पास आवे। नोटिश पाके यदि जीवित रहते भी न आवे तो दुसरी सादी कर लेने पर भी चुपचाप रहे वह तिमोथियुस को पति कहकर दावी नहीं कर सकेगी, वैसा ही तिमोथियुस भी दुसरी शादी करके उस पर कुछ दवा न करेगा।

आप का कृपाभिलाषी
सेवक:—

इलाका चेयरमेन:—
Rev. K. Tofrono
22-5-42

इलाका सेक्रे०
N. Bhengra

Lakra.MA.BD.STM.
xxxxxx

Hony.Secy:Th.Surin Esqr.,BA.BL.

1247/42/F-10A.

28th May 2.

To,

The Ilaka Secretary,
Tamar Ilaka.

Mahashay,

Ap ko mrea yishusahay.

Mujhe ap ki do chithiyan batarikh 22-5-42 ki mili aur we Church Council men bichar nimit tarikh 25-5-42 ko rakhe gaye. Un par Church Council ne nimin phaisla kiya hai :-

Item 3.

" Sankalp :- Ki Timotheus Soy ko Ilaka jariye likha jay ki wah apne shadi ke certificate ka true copy aur fees ke sath Istihar jo Gharbandhu men chhapaya jayga so bheje. Certificate ka nakal Parish Padri chahe Ilaka Chairman se certified hona chahiye ki wah certificate ka true copy hai. Ishtihar tin mahina Gharbandhu men lagatar chhapi jay. Istihar dene par bhi agar uski stri na awe athwa us ka pata na lage to Timotheus dusra shadi kar sakta hai."

Item 4.

" Sankalp :- Abraham Purti ko Ilaka jariye yah khabar diya jay ki uski rakhni stri ka biwahit purush abhi jinda hai so Abraham aur uski rakhni ka shadi nahin ho sakta hai aur na we mandli grahan ho sakte hain. "

Ap ka bishwast,

Th Surin

Hony. Secretary.
G. E. L. Church.

from,
Rev. K. Tophono
S. E. L. church Amlesa.
P. O. Tamar.
Date 24-3-42

10 A.

Amlesa.
Date 24-3-42

To
The C. C. Secretary ~~G.J.~~ P. Tiga.
S. E. L. church Ranchi.

महाशय !

मैं नम्रता पूर्वक आप से सलह पुछना चहता हूं कि उम्बलबहा परिष के लोमगा प्रचारकयन के भाई लोग सेन्ट्रलीजेसन करीब तीन महिना से (Disn. 10 Feb.) तक बन्ध किये हैं। वे मंडली आमदानी से गिरजा बंगला बनाने को शुरु किये हैं। परिष उन को समझाया, इलाका कमीसन जा कर समझाया। कमीसन ने उन को कहा कि कलीसिया के अधीन अर्थात रुपैया दाखिल किया जावे, तब दरखास्त पर ~~रु~~ रुपैया देने वा न देने का बिचार किया जायेगा। बात चित में खजनची को रुपैया देने के लिये कहा गया। पर तौभी वे रुपैया दाखिल नहीं किये। दो Leader (अगुवे) पकड़े गये हैं, वे नियम वालों के विरोधी भाईयों को उसकाते हैं। अभी लोमगा के सब भाई एक मत हो गये हैं। पर इलाका उन दो भाईयों को मंडली साजा देने को फैसला करेगी। मैं आप से यही सलह पुछता हूं कि वे मंडली साजा में रखे जावें यह मंडली आमदानी को खर्च करें ? ।

आप के आज्ञाधीन सेवक
K. Tophono

~~हो सके~~ होसके तो बहुत जल्दी इस ~~का~~ का उत्तर देने की कृपा या करेंगे।

10 A

Amlesá
30 Jan 1942.

मान्यवर, घरबन्धु सम्पादक Rev. J. J. P. Tiga को मेरा यीशुसहाय होवे।

महाशय, आप को जैसा चाहिये था वैसा तमाड़ इलाके का मर्दुमशुमारी सुसमय में भेज देने न सका, यह इलाका चेयरमैन के अपने पुराने जगह से कई रोक टोक के वजह शीघ्र न पहुंचने के कारण है। कारण उन का दस्तखत मर्दुमशुमारी फार्म में होना जरूरी था, सो कृपया माफ करेंगे।

२री:— आप से जनवारी १९४२ को तमाड़ इलाके के लिये २२ कापी घरबन्धु पाये हैं। मैं घरबन्धु पाठकों से जांच करते हुए और दो नये पाठकों को पाया हूं। सो अर्जी है कि आप फरवारी में नये चेयरमैन के घरबन्धु के साथ जमा २५ जिल्दें फरवारी महीने का और नये पाठकों के लिये २ जिल्दें जनवारी महीने का भी भेजने की कृपा करेंगे।

१९४१ के घरबन्धु के दाम में से ५) रु॰ और आप को मुझे भेजना है। देहाती भाइयों से मुलाकात हो दाम जल्द असूल करना मुस्कील है क्योंकि वे दूर जंगलों के बीच रहते हैं। इस तरह दो जनों से अब तक अदाय नहीं किया हूं। उन से असूल करते शीघ्र बकाया ५) रु॰ भेजूंगा और १९४२ ई॰ का भी दाम अभी से अदाय करना आरम्भ करूंगा।

आप का विश्वासी —
Nirmal Bhengra.

Umbulbaha
the 6 Dec. 1941

Manyawar Secretary
G. E. L. Church, Ranchi

File No
10 A.

Mahashay.

N. C. C. bishayak circular mili jiske liye ap ki dhanyabad. Main ne ap ke pas ek chitthi Nov. 27 ko bheji jismen main ne puchha ki jadi koi Larka aur Larki byabhichar ke karan mandli saja men rakhe gaye, jab we apas men shadi chahte hain

so kya aisong
ke liye bhi sin
bhin bhin Etwarong
men bachaudat
phukar hona chahi-
ye? ya nahin.
Is ka jabab ab
tak nahin mila
kripaya sighar
salah dijiye.
apka bishwasi
M. Toppo
Pastor.

POST CARD
REPLY
ADDRESS ONLY

NINE PIES

SINGHBHUM

DEFENCE
RANCHI
25 DEC 41
11 30 A.M.

To The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi
Ranchi Dit.

C File 64
1.10.41

10A.

Amlesa
9 Sept. 1941.

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट रेभ० J. Slösch साहेब को मेरा यीशुसहाय होवे।

महाशय मैं दीनता के साथ आप से अर्जी करता हूं कि शिक्षा क्लास के लिये अपने बिमारी के कारण उपस्थित नहीं जा-सक्ता हूं। कृपा कर मेरा छुट्टी ग्रहण करके मेरा गैरहाजरी माफ करेंगे।

मैं गोबिन्दपुर से ३री जुलाई को अमलेशा लौटा उसी दिन रस्ता ही में मेरा दर्द अधिक बढ़ गया, अगस्त महीना प्राय: ३ हफ्ता तक लाठी के सहारे से उठना, बैठना, चलना फिरना होता था। आज कल उन दिनों की अपेक्षा थोड़ा बहुत दर्द घट गया है; तिस पर भी लगातार बैठना वो लगातार चलना बहुत ही मुस्किल है। इसी मुस्किलता के कारण छुट्टी की अर्जी पेश करता हूं जौभी कि शिक्षा क्लास में तो हाजिर होने की ही इच्छा है।

मास्टर लाइन या गिर्जा के ४ पैये गिरने के पहले ही पत्थल से तैयार किये गये थे; जब बाकी ६ पैये गिरने पर हुए तो उन को भी अगस्त महीने के भीतर ही पत्थल खुदवा कर बनवाये गये हैं। गिरा हुआ छत भी कोई तरह रोला बला बन्दोबस्त कर मरामत किया गया, खपरा अनेक टूट कर खराप हो गये तौभी उन से कुछ अच्छे चुन लिये गये और बाकी पुराना खपरा ही खरीद कर बरसात के भीतर ही मरामत किया गया है अब प्राय: तैयार है। इस काम में प्राय: १८) रु० अधिक खर्च हो गये हैं इस को मैं मुस्कोता के बजाए प्रभुभोज खजाने से खर्च किया हूं।

आप को आगे ही जना दिया था कि हाता के किनारे और हाता के भीतर के सड़कों के किनारे अनेक प्रकार के गाछ वो बांस इत्यादि लगाये गये हैं। लेकिन बासों में नये कोंपले होने लगे तब बहुत जगह के बांस चुराये गये वैसा ही पौधों में से भी; इस के अलावे गिरे हुए बोर्डिंग का किवाड़ और चौखट जो निकालकर रखे गये थे कई एक चोरी हो गये। और कितने अच्छे लकड़ी बंगला के सामने ही रखे गये थे चोरी हो गये। ऐसे हालत को देख कर सड़कों के हर फाटकों में साइन बोर्ड लगा दिये गये जिससे साधारण आदमियों में से कोई बेकाम हाता के भीतर न घुसे। पर अफसोस की बात कि उन साइन बोर्डों में से एक याने उत्तर पूर्व के सड़क पर लगाया हुआ साइनबोर्ड भी चोरी किया गया। इस से हाता के जयदादों की देखभाल करना और रक्षा करना हम हाता के कर्मचारियों से केवल करना अति कठिन जान पड़ता है। स्कूल बागान में इस साल बादाम, राम तरोई आदि तरकारियां समूचे में लगाये गये हैं अब वे फल दे रहे हैं। मास्टर लोग बंगला में अभी स्कूल कर रहे हैं या जान और सुनसान देख कितने लोग दिन ही को फलों को तोड़ कर ले जाते हैं इसी तरह हाता के दूसरे २ फलों और खेती के बारे भी होता रहता है।

सो मेरा अर्जी है कि जैसा पहले यहां का बंगला हाता और दूसरे २ चीजों के देखभाल के लिये और रक्षा करने के लिये एक चौकीदार जयदाद के मेनेजमेन्ट के बोर्ड से दिया जाये तो आशा है कि चौकीदार के देखभाल और रक्षा में रहने से यहां के जयदादों का नोकसान होना रुक जा सकता है।

हमारे अमलेशा पेरिश के तीन प्रचारकपन अभी खाली पड़े हैं उन में से दो प्रचारकपन मास्टरों से और एक प्रचारकपन प्रचारक ही के जीमे में थे। मास्टरों का स्कूल ग्रेन्ट नहीं किये गये थे जिस से भाइयों ही को मास्टरों को पालना पड़ता था, बीते अकाल के वजह भाई लोग खर्च दे न सके इलाका उन को माहवारी ३॥ रुपैया देता था पर उस से महीना भर वे अपना खर्च नहीं चला सके अन्त में आर्थिक कठिनाई से काम छोड़ देना पड़ा। प्रचारक अपना निज बिमारी के सबब छुट्टी ले लिया है। ऐसी हालत से हम प्रचारकपनों को देखने में बड़ी कठिनाई में पड़ गये हैं कारण मड़ली के अन्दर शिक्षित जन ही नहीं हैं जिन से गिर्जा आदि चलाया जाए।

आज कल हाता में सब भाई बहिन प्राय: प्रभु की दया से अच्छे ही हैं।

आप का विश्वास्त —
Barnabas Henry

10 A

Burju
25th Oct. 1941

Mahamanywar Secretary Saheb ko Yishusahay!

Age miri argi hai ki Umbulbaka Girja ghar maramat karne ke bishay C. C. ne jo phaisala kiya hai so miharbani karke janane ki kripa karen. Ham logon ke Pracharak course ka ant 30th Oct. ko hoga. Is tarik tak main yahan Burju men rahunga.

Age shubh — apka bishwasi
M. Toppo

POST CARD

BUY DEFENCE SAVINGS CERTIFICATES

ADDRESS ONLY

DELIVERY 28 OCT 47 11.30 A.M RANCHI

28 OCT 47 RANCHI

INDIA POSTAGE 9 PS NINE PIES 9 PS

To The Secretary

G. Ev. L. Church

Ranchi

2129/41/F. 10 A. 14. 10. 1

The undermentioned document is forwarded to the Rev. B.Hemron for information and gyidance.

Secretary.
G.E.L.Church .

Extract from the Minutes of the Meetings of the F.C.C.
held October 1 to 3,1941 Item 64.

" Request for increased grant for the repair of Teachers' houses:
Manjur huwa ki pahile jitna diya ja chuka hai usse adhik aur Rs.15/- mile. Itna men kam jarur hona chahiye. "

....

C. C. Filed 1378 10A 23

Amlesa
19-7-41

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट रेभ० जे० स्तोश- साहेब को मेरा यीशुसहाय।

महाशय, सी० सी० ने अमलेशा गिर्जा वो मास्टर लाइन के मरामत के वास्ते कुल (५५) रुपैये मदद दिये थे। हमों ने केवल गिर्जा घर के मरामत के लिये बड़ सोच से कम से कम ५०) रुपैये का इस्टीमेट दिये थे। गिर्जा घर का मरामत बाहर भीतर वो खिड़की इत्यादि प्राय: मरामत हो चुके हैं। बरसात के पहुंचने वो अधिक एकदम होने के बजह थोड़ा बीरा बत्ता बदल देना बाकी बचा दिया गया है। इसी अवसर याने ३री जुलाई को जिस दिन मैं रांची से अमलेशा वापस लौटे रात भर को दूसरे दिन तक इतना बरसा हुई कि मास्टर लाइन याने गिर्जा घर के पश्चिम भाग का दो पैया जो मट्टी से बना था गिर पड़ा वो उन के गिरने से बरमदे का छत गिर पड़ा जिस से दो तीन रोले और कुल बत्ता जो बांस के थे और खपरा सब टुकड़े २ होकर बरबाद हो गये हैं। हमों से जितना हो सका पत्थलों से फिर पैयों को बनवाये हैं, लेकिन रोला और बत्ता और खपरा खरीदने के लिये पैसा न होने के बजह छत नहीं मरामत कर सके हैं। इस को छोड़ चार आगे के पैये भी निकम्मे हो गये हैं अधिक बरसा हो जाने से उन के गिरने का भी डर है। सो अर्जी है कृपा कर गिरे छत को मरामत करने के लिये २०) रु० मदद सी० सी० की ओर से होवे, जिस्तें इस बरसा में अधिक नोकसान से बचाने सकें।

आइन्दे हाता को लाभ पहुंचे कहकर जितना पाने सके पूर्व सिमाने के किनारे बांस रोपे हैं और दक्षिन वो पश्चिम में करंज और उत्तर बम्बई के पौहे रोपे हैं और कबर स्थान में खजूर लगाये हैं। अगर धूप काल में उन की रक्षा कर सकेंगे तो जरूर बच जायेंगे।

स्कूल बगान में बेशी चिड़िया बदाम लगाये गये हैं बाकी भागों में कोंहड़ा, कद्दू और सेम इत्यादि लगाये गये हैं।

बोर्डिङ्ग लाइन के पूर्व का एक कोठरी भी गिर पड़ा हम लोग उसे बचाने में असामर्थ ठहरे। रांची से वापस लौटने पर मेरा रोग याने गले और हाथ के जोड़ में सदा दर्द लगा ही रहता है न मालूम गाड़ी (लूरी) में शरीर के हिलने डोलने से यह हुआ है कि कैसा २ इस का पता नहीं जाना जाता है। दूसर हाता में सब अच्छे ही हैं।

आप का विश्वास्त —

B Stetkarm

10A

Amlesa Mission
Compd.

11-1-1938

मान्यवर, चार्च कौंसिल सेक्रेटरी साहब को यीशुसहाय।

१, महाशय आप को १९३८ ई० का मर्दुमशुमारी भेजते हैं। उम्बुलनहा परिश का देर से मिला जिस के कारण आप को जल्दी भेज देने में देर हुई, माफ करेंगे।

२, अमलेशा इलाके से महासभा में दोनों पादियों के साथ चार डेलीगेट हाजिर होने का प्रबन्ध किया गया है अर्थात:— Rev. B. Henrom + Rev. M. Sangá
Babu Prabhudayal Purti +
" Kusalmay Bhengrá

डेलीगेट खर्च आप के लिखित मुताबिक नहीं भेजा जाता है कारण अब तक उम्बुलनहा परिश का आमदानी नहीं मिला है पादी लोग वह खर्च साथ में लेते जायेंगे।

३, सन्तुटी प्रचारक पन्न के कड़कसोम भाइयों का दरखास्त जो आप के पास भेजा गया था अमलेशा चेयरमैन को मिल गया है। कई कामों के भीड़ से आप वहां नहीं गये हैं। लेकिन १०-१-१९३८ को कड़कसोम से ४, ५ भाई आये थे। तदारुक करने से (पूछपाछ करने से) देखा गया कि वे अपने पाप को मान रहे हैं। महासभा के बाद इलाका चेयरमैन शीघ्र उन के पास जाने का उन्हें प्रतिज्ञा किये हैं। आशा है वहां का गड़बड़ शीघ्र मिट जायेगा।

इलाका सेक्र०

N. Bhengrá

इलाका चेयरमैन—

B. Henrom

File

F 10 A

Hulesai
15-5-41

मान्यवर, सी० सी० सेक्र० रेभ० J. J. P. Tiga को मेरा यीशुसहाय होवे।

1, महाशय, Brief sketch of a Pastor's life के भरने में आप को दुबारा लगा, सो माफ करेंगे।

मैं एक किता १९३४ में रेभ० मृत दाऊद कुजूर का, और एक किता मृत मि० एन० तोपनो का राँची ही में दिया था सो ओफिस में कैसे नहीं मिला।

2, ~~[illegible]~~ रिजार्भ फन्ड के लिये एक बही और १० तक रसिद बही भेज देने की कृपा करेंगे।

3, मरामती सम्बन्ध एक दरखस्त मैं c. c. में भेजा हूं उस का कोई जवाब अब तक मुझ को नहीं मिला है।

आप का विश्वास्त-

B. Henrom

CC, A. 9

F. 10 A.

File

Amlesa
24-4-1941

मान्यवर सी॰ सी॰ सेक्रे॰ रेभ॰ J. J. G. Tiga को मेरा यीशुसहाय।

महाशय, अमलेशा स्टेशन के मास्टर लोग C.C जब से घर भड़ा ठहराया है तब से नियमानुसार घर भड़ा देते आ रहे हैं। मास्टर लाइन गिर्जा के सामिल ही में बना है। गिर्जा घर का मरामती भीतर भाग हो चुका है, छत और बाहर दीवाल मरामत करना बाकी है। इस के लिये बचा पहुंच गया हसो छत और बाहर तुरन्त ही मरामत किया जाएगा।

मास्टर लाइन गिर्जा के पूर्व और पश्चिम ओर है इस लिये साथ में मरामत होना बहुत ही जरूरत है। इस कारण सी॰ सी॰ से अर्जी करता हूं कि पूर्व और पश्चिम तरफ मरामत करने के लिये २५) रु॰ सी॰ सी॰ देने की कृपा करें। अगर नहीं दिया जाएगा तो गिर्जा घर का मरामती जो बीच में है बेफैदा होगा कारण कि उसी के सम्बन्ध में पाया और दीवाल प्रायः गिरने पर है जो मास्टर लाइन का है। जिस्तें ऐसी बुरी हालत न होवे और अधिक खर्च भी न बढ़े और घर भी बचाया जाए।

मैं हाल में देहात से लौट कर भला चंगा नहीं हूं जिस से आप के सब पत्रों का जवाब जल्दी नहीं दे सका हूं।

पैरिश बोर्डिंग घर के लिये १००) रु॰ प्राय चन्दा उठाया है जिस से गिरा हुआ बोर्डिंग को फिर से सम्भालने का प्रबन्ध करने चाहता है। एक किता चन्दा स्कूल के डेस्क आदि के लिये दिया जा चुका है। भाई बहिनों के आर्थिक हालत को देखने से चन्दा मांगना साहस नहीं बुझाता है पर तौभी जिस्ते कलीशा का काम में बाधा न होवे चन्दा मांगना और लेना ही पड़ता है इस में सफलता प्राप्त करेंगे कि नहीं इसी अभाव से सी॰ सी॰ को अर्ज करता हूं।

आप का विश्वास्त —

B. Ilemram

F. 10A ~~32~~

C C Meeting

Amlesa
7-10-1940

CCR

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट रेभ० J. Slosch साहब को मेरा यीशुसहाय होवे।

महाशय, अमलेशा स्कूल के लिये कई एक सामग्रियां घटी हैं जिस से यू॰ पी॰ होने के लिये सरकारी अधिकारी से बाधा किया जा रहा है, जैसा डेस्क, बोर्ड इत्यादि। उनकी पूर्ति के लिये लकड़ी की बहुत जरूरी है। सो मैं आप से दीनता पूर्वक अर्जी करता हूं कि हाता के पेड़ों में से एक पेड़ काटने का इजाजत देने की कृपा कीजिये जिस्तें उपरोक्त काम उसके द्वारा हल किया जा सके। Permit Riyal St

२री:- अमलेशा का गिर्जा घर बीते साल ही समूचा मरामत किया गया था, पर दीमक और घुनों से बांस शीघ्र खराब हो गये और नोकसान भी बहुत हुआ। इस हालत में स्थानीय भाइयों से जहां तक हो सका खिड़की आदि को छोड़ छत मरामत किया गया तिस पर भी गिरजा घर की दशा सोचनीय ही है। इस कारण आप से अर्जी करता हूं कि गिरजा घर फिर से मरामत किया जावे, जिस्तें बांस के बदले चीरा हुआ बत्ता ही होवे। और कई एक रोल (कांड) जो खराब हो गये हैं वे भी बदल दिये जावें, और खिड़की जो बिलकुल रद्दी है फिर से बनाये जावे और आइने लगाये जावें। इस के लिये मैं अन्दाजी ५०) रुपैये मरामत खर्च इस्टीमेट कर नीचे दिखाता हूं। अर्थात:—

२५० चीरा बत्ता	१५) रु०
६ कांड (रोला) . . .	३।।।)
खिड़की बनाने का लकड़ी	५)
५० आइने	८)
१ दर्जन कब्जा वो ६ दर्जन पेंच	२)
कांटी	१।)
बटी	८)
बत्ता वो रोला लाने का खर्च	३)
कुली छत बनाने वाले	३)
कुल जमा	५०) रुपैया।

३री:— महाशय, मैं अमलेशा पेरिश की आर्थिक दशा के बारे बहुत ही चिन्तित हूं। अमलेशा पेरिश के प्रचारकपनों में दो याने उलीहतु और सरायद को छोड़ सब नये बासिन्दों के बीच प्रचारकपन बनाये गये हैं। इसी से मंडली आमदनी की बढ़ती होने में और कर्मचारियों के हालत को सुधारने में अति कठीन सूझ पड़ता है। विचार करते एक उपाय मेरे सोच में आया जिस को करने से कुछ न कुछ कठिनता दूर हो सकता है। अर्थात जैसे दूसरे २ इलाकों में मंडली खेत (जयदाद) बन्दोबस्त है वैसा अगर यहां भी बन्दोबस्त किया जाए तो कुछ बहुत आर्थिक दशा की सुधार हो जायगी। सो मैं बहुत ही दीनता पूर्वक आप से अर्जी करता हूं कि आप मंडली जयदाद बन्दोबस्त करने के लिये २००) रु० मदद देने की कृपा करेंगे, तो मैं भी १००) रु० मंडली से निकालने का परिश्रम करूंगा जिस्तें ३००) रु० तक का जयदाद मंडली के लिये खेती जमीन १९४१ साल में खरीद सके। जिससे हमेशा के लिये मंडली को लाभ पहुंचाने सके। इसी तरह और भी उपाय सोचें और काम में लाते हुए धीरे २ मंडली की आर्थिक कठिनाई को दूर करने का यत्न करते जायेंगे।

मैं रांची से सकुशल अमलेशा पहुंचा हूं पर इनफ्लूएंजा, मलेरिया वो कान दर्द अब तक बिलकुल नहीं छूटा है।

आप का विश्वास्त—

Barnabas Hemrom

F. 10 A. 12

Tinlesá
19-2-1941

मान्यवर, जी० इ० एल० चार्च के सेक्र० Rev. J. J. P. Tiga को मेरा.
यीशुसहाय होवे।

अमलेशा पेरिश के अन्दर तीन प्रचारकपनों में S.P.G. मिशन के भाइयों के साथ मिश्रित शादी होने का था। पर S.P.G मंडली के भाई बड़ी गड़बड़ मचाना शुरु किये। अर्थात मेरे पत्र बिना हमारे लूथेरान लड़कियों को वचनदत्त किये। ये गड़बड़ सुन कर मैं दलभंगा के S.P.G पादरी Rev. N. Guria को पत्र लिखा, लेकिन वे भी मेरे चिट्ठी का कुछ जवाब न दिये। पत्र की आशा देखते, वचनदत्त किये लड़के अपने वचनदत्त किये लड़कियों को बिना सादी ले भगाये। और कई दिनों बाद अपने पादरी से शादी ले लिये।

१ला:— सिन्दरीहुंगा प्रचारकपन के कुदादा: गांव के मृत पतरस की बेटी को उस का वचनदत्त किया हुआ S.P.G छोकड़ा २७-१-४१ को ले भागा और ३-२-४१ को अपने पादरी से शादी दे दिया गया।

२रा:— लसुकोचा प्रचारकपन के डोवड़ा गांव के नेहमियाह की बेटी हेलिना को भी S.P.G मिशन के कोरलोन्दा गांव का छोकड़ा १६-२-४१ को अपना वचनदत्त किया हुआ लड़की को ले भागा और १७-२-४१ को S.P.G पादरी कड़ेंगो में उन को शादी कर दिया।

३:— जोड़ाजंजिद प्रचारकपन के डेंगो गांव के मृत अबिराहाम की बेटी सलोमी को S.P.G. मिशन के कड़ेंगो गांव का छोकड़ा मांगने गया था। उस समय हमारे मिशन की लड़की पंचों के साम्हे लड़के से बोली, कि मैं लूथेरान विश्वास वो लूथेरान विधि मोताबिक आप के साथ सादी चाहती हूं इसे जब आप मंजूर करते हैं तो आप के साथ सादी हूंगी। लड़का उस बात को मंजूर किया। पर मावाप वचनदत्त के लिये जब पादरी से चिट्ठी मांगने गये तो पादरी वचनदत्त चिट्ठी देना अस्वीकार किया, ऐसे हालत में उस बात के विषय क्या करना भला होगा?

उपरोक्त १+२री बात यानै बिना चिट्ठी लड़कियों को चुराले जाना और सादी देना एग्रीमेन्ट के विपरीत है या नहीं।

मालूम हुआ कि ऐसे शादी से कितने अबूझ भाई जो शादी फोरा देना डरते हैं खुस हैं, पर भले ख्रिस्तान बहुत नराज हैं। और बोलते हैं कि S.P.G. मंडली से मिश्रित शादी ही बन्द किया जाये, और उन लड़कियों के मा वाप भी मंडली सजा पावे जो बिना शादी ले भगाये गये हैं।

जिस्से मंडली में ऐसी गड़बड़ न बढ़े. इस के विषय में कौंसिल क्या राय और सल्हा देती है।

आप का विश्वास्त—
Barnabas Hemrom

No 25

F 10 A

Amlesa
28-2-1941

महामान्यवर, पेसिडेन्ट *Rev. J. Stosch* साहेब को मेरा यीशुसहाय होवे।

महाशय हम लोग १७ मार्च से २२ मार्च तक साक्षी सप्ताह का दिन ठहराये हैं। साक्षी सप्ताह में कई जगा के लिये जगह ठहराये हैं। उसमे हम लोग धर्म्म तसबीरों के साथ प्रचार करने चाहते हैं जिसके लिये तसबीरों का बहुत जरूरत है। सो आप से अर्जी करता हूं कि कम से कम १२ बड़े तसबीरें बन्दोबस्त कर भेज देते तो मैं आप का बहुत ही धन्यवाद करते, और उन के द्वारा हम लोगों के काम में भी बहुत ही सहायता पहुंचता।

Cannot be supplied as there are no such pictures

2, आज कल कलीशा का काम सरकारी मर्दुमशुमारी के द्वारा बहुत मन्दा चल रहा है, दिनों दिन (सुपरवाइजर और इनुमेरेटर थानेदारों से जहां वे जाते वहां बुलाए जाते हैं। आज जन संख्या हिसाब लेने का अन्तिम दिन है उसके बाद सुपरवाइजर और इनुमेरेटर को कै दिनों तक थाने में ठहरना पड़ेगा जब लों उनके हिसाब ठीक कर न सौंपे जांए।

3, बगान के भीतर दो बिना फलदार गाछ हैं जिन से बगान और बगान के फलदार गाछों के लिये हानि हो रहा है। आप से अर्जी करता हूं कि उन गाछों को बगान से काट देने का इजाजत दिया जाये।

Recommended

4, आप को मालूम होगा कारण आप को मैं बताया था कि दूसरे क्लाश के लिये लोडेस्क नहीं पूरा हुआ, जो गाछ काटा गया था उसी से ३रे, ४थे, वो ५वें क्लाशों के लिये डेस्क और तीन नये बोर्ड और स्टेन्ड बनाये गये। उतना ही में लकड़ी खतम हुई। इस कारण आप से अर्जी करता हूं कि और एक गाछ जो गिर्जा घर के पश्चिम में है काटने का इजाजत मिले जिस्तें २रे क्लाश के लिये भी लोडेस्क तैयार कराने सकें।

Recommended

जब मैं देहात में था अर्थात १७-२-४१ को गुन्डु का स्कूल सबइन्सपेक्टर अमलेशा स्कूल देखने आये थे। वे हर एक क्लाश का परिदर्शन किये, सब श्रेणी के सामग्रियों के लिये मुलाहजा बही में अच्छा ही दर्ज कर दिये हैं। गत वर्ष के इमतिहान फल के बारे भी लिखे हैं कि ५वें में आठ में सात, ४थे में ७ में ६, ३रे में ३ में २, २रे में १२ में १०, और १ला में १४ में ७ पास फल पाये सो पाठशाला की हालत अच्छी मिली है। लेकिन आप लिखते हैं कि ४थे और ५वें श्रेणी के लिये सरकार से मंजूरी कराने का जल्दी करवाई पाठशाला के अधिकारियों कराना जरूरी है। हम लोगों ने स्कूल के सब सामग्री तैयार ज्यों हुए हेड सुपरवाइजर को खबर दिये हैं जिस्तें आप ऊपर से मंजूरी करावे। सब इन्सपेक्टर के मुलाहजा नोट को भी हेड सुपरवाइजर को भेज दिया गया है। पर अब तक इस के मंजूरी का हुकुम नहीं मिला है। अवश्य है कि साल तमामी याने ३१ मार्च के पहले हुकुम मंजूरी का मिलना जरूरी है।

Request has been made to the authority

C.C. Head Supervisor of Schools

आप का विश्वास्त —

Barnabas Herenz

Recommended 3 trees

No. 741/41/F. 10 A.   22-3-1

The undermentioned document is forwarded to the Rev. B. Hemrom, Amlessa for information and necessary action.

J. D. Tiga

Extract from the Minutes of the Executive of the C.C. meeting held 12.3.41
Item 19

" Letter from Rev. Barnabas Hemrom D/- 28.2.1941. ——

Rev. B. Hemrom ki arji hai ki bagan ke bhitar 2 lena faldar gachh hain aur bagan ke faldar gachhon ke liye hami palum chate hain aur ek gachh jo Girja ghar ke paschim men hai— in tinon gachhon ko katne ki ijajat mile ki unse School ke liye low desk banaye jany.

Arji grahan ki gayi.

Fir Padri Babu ki arji hai 4the + 5wen shreni ke manjuri ke liye Sarkar ke pas darkhasht bheji jay. Is ke bishay Head supervisor ne bataya ki darkhasht bheji gayi hai."

File 88/10/12 10 H File 88/10/12

~~6-1~~ 12

Amlesa
15 Nov. 1940

20

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट Rev. J. Stosch साहेब को मेरा यीशुसहाय होवे।

महाशय, मैं आप को Schedule of the properties of former G. E. L Mission held by the Board of Trustees. के नं० १२ तमाड़ स्टेशन के लिष्ट में गांव नम्बर २ Kulihatu, 109 Tamar thana No, का रजिस्ट्री पट्टा १६ नोवे० १६०८ में मंगलसिंह मुन्डा से किया गया है। यह पट्टा यहां अमलेशा में नहीं है, और इस जमीन को मैं नहीं जानता हूं। कृपया मुझे जनाइये कि यह जमीन अब तक बोर्ड के दखल में है या नहीं।

२, पुनर विवाह के विषय :— कौंसिल की चिट्ठी नं० ११०८–टी/४०/एफ–४२ ता० १७ जून १६४० ई० के अनुसार कौंसिल मेरे परिश के खृस्तोदास गाड़ी साकिन बसकोचा पुगाना बो थाना तमाड़ का नोटिश अगस्त १६४० के १३१ पृष्ठ में छापा गया है। इस नोटिश में ३ महीने का मेयाद ठहराया गया था। इन ३ महीनों के भीतर खृस्तोदास की पत्नी मुनिका तिर्की नहीं आई और उस की कोई पता न मालुम।

इस लिये अर्जी है कि खृस्तोदास गाड़ी को पुनर विवाह का हुकुम दिया जाये।

आप का विश्वास्त

Barnabas Kerum

Memo No. 2058/40,
Dated, Ranchi the 21st. Nov. 1940.

Forwarded to Mr. Daniel Topno for report.

J. O. Ekka 21/11
Secretary,
G. E. L. Church.

To Secretary

10 A.

Hulesa
3-1-1940

मान्यवर, ऐस० जे० जे० पी० तोगा-को मेरा सौ सलाम होवे।

महाशय,

मैं मर्दुमशुमारी तैयार कर भेजदेता हूं। मर्दुमशुमारी ठीक 31-12-40 में आफिस पहुंचाने का ~~काम~~ प्रबन्ध किया गया था, पर 26-12-40 को अमलबहर पोरेशावाले पादरी न कोई आये न कोई हाल मिला। बड़े मुश्किल से 31-12-40 शाम को कुली के द्वारा पोरेशा का मर्दुमशुमारी पहुंचाया गया जिसको मिलान करने में दो दिन गुजरा और जैसे ही तैयार हुआ भेजता हूं।

आप का विश्वासी

B. Henrom

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 347/41/F- 10 A.   Dated, the 8th February, 1941.

The undermentioned document is forwarded to the Babu Christodas Gari, C/O The Rev. B. Hemrom, Amlessa for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. Meeting held on the 1st February, 1941.

Item No. 43.

" Christodas Gari :- Phaisla huwa ki is bhai ko shadi karne ka hukum diya jay."

---

10 A file 8P 31/12

Amlesa
15th Nov 1940

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट Rev. J. Slosch साहेब को मेरा बहुत यीशुसहाय होवे।

महाशय, आप को जनाता हूं कि जिन घटियों के लिये अमलेशा का स्कूल U.P. होने में डी॰ बी॰ नमंजूर कर रहा है वह घटी अब पुरी किई जा रही है अर्थात U.P. के लिये जितने डेस्क का जरूरी रहा वह तैयार होगा, और L.P. के लिये तो डेस्क भी कुछ तैयार है आशा है वह भी जितना जरूरी है ८, १० दिन में तैयार हो जायेंगे।

मंडली में या इलाका भर में आज कल कोई विशेष गड़बड़ और अब्नन नहीं है आज कल सरकारी मर्दमसुमारी के कारण मंडली काम में रोकटोक हो रहा है जैसा दुदापन वालों को शिक्षा देना इत्यादि। कारण प्राय: सब मंडली कर्मचारी हां पादरी से मास्टरों तक सब के सब उस काम में पकड़े गये हैं।

स्कूल सामग्री के लिये समूचा परिशमें चन्दा ठहराया गया है सो असूल करने में बड़ी कठिनता वो देर हो रहा है स्कूल मैनेजिङ् कमीटी तरफ का चन्दा प्राय: ५) रु॰ मिल गया है उन के ऊपर १४॥।) चन्दा बैठाया गया है और मंडली के तरफ से (अमलेशा परिश) ५) रु॰ मिल चुका है। वहां से कम से कम २०) रु॰ तक मिलना है। ऐसे कारणों से बहुत जल्दी काम करना अति कठिन जान पड़ता है।।

मैं अपने प्रोग्राम मोताबिक अपने काम को पुरा करने के इच्छा में हूं पर यहां भी जरूरी कामों के कारण छोड़ना कठिन जान पड़ता है जिस से कभी २ कामों में अनेक बाधा हो जाता है। मैं अपनेनाला हफ्ता एक दिन के लिये जरूरी काम में उम्भलना हो जाता हूं।

आप का विश्वास्त

B. Hemrom

1.

10 A

माननीय सेक्रेटरी सी॰सी॰ मि॰ एन. लोयलो को मेरा प्रेमसलाम होवे।

महाशय-

अलमोड़ा-कांग्रेस दफ्तर-खिड़कियों को बहुत टूटे हुए हैं हाल में जोर हवा से गिराये गये हैं। इसलिये लोगों से मरम्मत नहीं कर सकता है। इस लिये कौंसिल से अर्जी है कि उसको मरम्मत के लिये 10) रुपये मंजूर किया जाय। आइंदा आपकी मर्जी हैं।

तारीख
२७. ५. ४० }

आप का विश्वासी-
मरनाबास हेमोम-

10 A

76

Pending 22.6.40 N.

Amlessá
31-5-1940

मान्यवर सी॰ सी॰ सेक्र॰ मि॰ एन॰ तोपनो को यीशुसहाय होवे।

महाशय, हमारे अमलेशा इलाके के बसुकोचा प्रचारक पन का खृस्तोदास गाड़ी रांची इलाके के बरिकटोली गांव को मुनिका तिर्की से सादी हुआ था। सादी के तीन चार महिने बाद मुनिका अपनी नहियार लौटीथी, उसी वक्त से मुनिका लापता हो गई है। छः सात बरस तक खृस्तोदास धीरज धरकर अपनी धर्म्म पत्नी की खोज में बार२ बरिकटोली और गुड़ु पातरा टोली आया जाया करताथा। लेकिन मुनिका से न तो भेंट ही हुआ न सुसरार वाले उस की पता ही बताये।

खृस्तोदास अपने घर की सोचनीय दशा देख कर अपने प्रचारक पन में मुनिका के बारे रिपोर्ट दिया, प्रचारक पन पंच खृस्तोदास की बातों को जांचने के लिये उस के साथ बरिकटोली आदमी भेजा। जांचने वाले मुनिका को पता न पाये। इस लिये प्रचारक पन पञ्च उस बात को रिपोर्ट पेरिश पंच में पेश किया। पेरिश पंच भी इस गड़बड़ का पता आदमी द्वारा जांच किया पर वह भी पता न पाया। इस लिये पेरिश सभा द्वारा खृस्तोदास और मुनिका के बीच की गड़बड़ इलाका तक पहुंचायी गयी, इलाका की ओर से रांची इलाका चेयर मेन को इस का जांचने को अर्जी किया गया। पर इस के बारे चेयर मेन से भी कुछ जबाब न मिला। जबाब न पाने पर इलाका पंच भी खृस्तोदास के साथ मुनिका की जांच के लिये आदमी भेजा। जांचने पर बरिकटोली वो गुड़ुपातरा टोली के पंचों ने कहा कि ७, ८ बरस गुजर रहा हैं कि मुनिका की पता नहीं हम कहां से खृस्तोदास को सौंपने अगर बताने सकेंगे? खृस्तोदास मुनिका को आशा छोड़ वह दूसरी सादी करलेवे इस के लिये हम उस को हुकुम नामा भी लिख देते हैं यह कहकर दोनों जगह के घर मालिक उस को हुकुम नामा लिख दिये हैं। जिन का नकल भी सी॰सी॰ में भेजा जाता है।

खृस्तोदास की धीरता वो उस के घर की शोचनीय दशा के लिये इलाका पंच सी॰ सी॰ से दीनता सहित अर्जी करती है कि खृस्तोदास के वो उस की स्त्री मुनिका के गड़बड़ के बारे उचित बिचार करेंगे वो उस को दूसरी सादी का द्वार खोलने की कृपा करेंगे। इलाका पंच चाहती है कि घरबन्धु में मुनिका को लापता का इश्तहार किया जाये जिस्से एक दो महीने के भीतर कहीं जीती हो तो इश्तहार मोताबिक अपने पुरुष के घर हाजिर आवे। उस के न आने से खृस्तोदास दूसरी सादि करेगा सादी के बाद आने से मुनिका को खृस्तोदास ग्रहण नहीं कर सकेगा।

आप का कृपाभिलाषी:—

इलाका चेयरमेन:—
B. Herurom

इलाका सेक्र॰:——
Nirmal Bhengra

True copy.

लि० सुकरा उरांव सा० गुड़ुपतरा टोली प्रगाना खुखरा थाना वो जिला रांची का हूं। आगे मैं अपनी बेटी मुनिका को दमाद बाबू खिस्तोदास गाड़ी सा० बसुकोचा, प्रगाना वो थाना तमाड़ जिला रांची के साथ सादी कर दिया था। सादी के बाद थोड़े दिन के लिये बेटी मुनिका नईहार आई थी। वह यहां से कहां चली गई पता नहीं चलता है, बार २ दमाद खिस्तोदास उसको पीछा में यहां आया। पर बेटी के करीब ८ बरस से ऊपर होता है लापता है, इस लिये घर के सब कोई आपस में सलाह कर गांव के पंचों के सामने दमाद बाबु खिस्तोदास को हुकुम देते हैं वो लिख भी देते हैं कि वह मेरी बेटी का आसा छोड़ कर दूसरा सादी कर लेवे इस में हम लोगों का कुछ उजुर उजरात नहीं है न रहेगा और न आइन्दे होगा। ता० २६-२-४० ई०

(१)

ठेपा शुकरा उरांव । sd/- बा: बोआस तिरकी
सा० गुड़ु पतरा टोली
जिला रांची।

(२)

ठेपा खिस्टो होरो ।

True copy

2-3-40

आप लोगों को मालुम होवे कि मुनका तिर्की बरिकटोली में नहीं है वह मर गया सो ख्रुस्तोदास गाड़ी का सादी का रस्ता खोल देना। थाना रांची

Sd/ Isahak Minz
Sd/ Mickhael Tirkey
Sd/ R. Kachhap

File नं 7/10 10 A.

To
The Secretary, G. E. L. Church
Ranchi

मा० महाशय,
आप को यीशुसहाय।
आप को सुनाया जाता है कि मेरा marriage License का नकल, Dy Collector, संबलपुर ने मांगा और मैं ने उन को दिया, पर वह लौटाया नहीं गया।
इस लिये सविनय अरजी है कि वह नकल फिर के मुझे दिया जाय।
आइन्दे हजुर मालिक हैं

आप का आज्ञाधीन
सेवक
Barnabas Munnu

रांची
ता० २.१०.४०

Report 10 A

No. 44.

Secy

To,

The President,

Lutheran Church

Ranchi.

Umbulbaha 23 Dec. 1939.

मान्यवर महाशय को यीशुसहाय ।

कार्म्मचारियों के काम और उसके ब्योरे के अनुसार कितने काम तो सुरु हो चुके हैं और कितने काम तो बहुत चलते हैं जैसे मण्डली काम के लिये भोलन्टियारों को ठहराना ।

यहां उम्बुलबहा परिश में दो मण्डली में सब काम करने के लायक भोलन्टियार नहीं मिल सकते हैं तौभी पंचो की सहायता और मण्डली चलाने में कितने कामों में मण्डली की सहायता करते हैं। यहां दो दर्जे के भोलन्टियार हैं ।

I पहले दर्जे के भोलन्टियार वे हैं जो समुचे परिश के भोलन्टियारों के ऊपर में हैं। वे मण्डली मण्डली के भोलन्टियारों को परिश्रमी होने के लिये चलाते हैं। वे परिश पंचों के संग मण्डलियों में घुम के वहां के भोलन्टियारों, पंचों और भाई बहिनों को चलाते; बुझाते और सिखाते हैं।

II दुसरे दर्जे के भोलन्टियार वे हैं जो अपने ही मण्डली के भीतर काम करते हैं। वे गिरजा को चलाते हैं, रोगियों के पास भी जाते हैं, गिरजा न आने हारों को समझाते हैं, आमदनी बढ़ाने को परिश्रम करते हैं, मण्डली पैसा आप ही तहसील करते हैं। मेरे लिये, इनको सम्भालना, सिखाना अत्यन्त भारी है। कभी कभी तो इनको सिखाने में स्वर्ग और पृथ्वी की ओर देखना पड़ता है कि किस प्रकार से शिक्षा दिया जाय ।

मैंने आप ही नाम ले लेकर इनको नहीं ठहराया है, ये तो आप आके खड़े हो गये हैं, और वे आप ही आनन्द से काम करते हैं ।

2. पुंजी खजाने के बिषय यहां मुझ को कुछ कठिन सा लगता ~~[illegible]~~ है क्योंकि १९२७, १९२८ सालों में कितने बहुतों ने दिया है - पर रुपैया कहीं दिखने में नहीं आता है और अभी उनको फिर दोबारा देना तो कठीन सा बुझाता है। वे ठोकर खा जाते हैं । तौभी कुछ तो इस महिना में होगा मैं आशा करता हूं ।

आप का विश्वास्त

M. Sanga

अपना जीवन वृत्तान्त ।

मेरा जन्म १९०१ ई. के २ री जून को अपने गांव बिरहू में हुआ। मेरा बाप नथानियेल संगा १९०४ ई. में तपकारा में प्रचारक का काम सुरु किया। वहां पर मेरी शिक्षा भी सुरु हुई। कितने बरसों के बाद वहां का काम छोड़ घर आया और गांव ही में फिर प्रचारक का काम किया। मैं गांव के स्कूल में पढ़ने लगा। जब मैं नौ बरस का था तो मैं अचानक से खुर्जू पढ़ने को गया। तपकारा में मैं ने एक मस्टर को देखा जो लड़कों को बहुत बुरी तरह से पीटता, बिना समझाये छड़ी देकर रुलाता था। इस को देख मैं पढ़ने नहीं चाहा। पर साथियों ने मुझे बहकाया यहां लों कि मैं बड़े खुसी से चला गया। खुर्जू में उस समय बोथ साहेब थे जो मुझ को छोटा होने के कारण स्कूल और बोर्डिंग में लेने कभी नहीं चाहा। इसको देख इतना रोया कि साहेब को रखना ही पड़ा। १९१७ के नोबेम्बर महिना में मैं दृढ़ीकरण लिया। पादरी आनन्दमसीह सोए ने दिया, जिसमें मुझे यह बचन दिया गया कि "तेरा बचन मेरे पांव के लिये दीपक और मेरे मार्ग के लिये उंजियाला है।" उसी साल में मैं ने मिडिल पास किया। इमतिहान लिखने के आगे हेडमास्टर आसफ तोपोनो ने हमों को पूछा कि आगे क्या करोगे? मैं ने कहा कि मैं सेमिनारी में पढूंगा। उन्होंने कहा कि अब तो सेमिनारी नहीं है। इस को सुन दूसरा जवाब देने नहीं चाहा। फिर सर्टीफिकेट लेने गया तब भी मुझे ऐसा ही पूछा और मैं ने वैसा ही जवाब दिया। १९२० साल में सेमिनारी ज्यों खुली मैं ही सब से पहिले बिना किसी से सलाह लिये अपनी बात को स्मरण कर घुस गया। अगस्त महिना में सेमिनारी खुली थी। १९२३ अप्रेल को कोर्स समाप्त किया। १९२५ जून से कोरोंजो मिडिल स्कूल में कान्डिडात का काम सुरु किया। १९३१ जनवरी में खुर्जू इलाके के तुजूर परिशा में कन्डिडात होके धर्मदास तिडू की सहायता में भेजा गया। १९३४ जनवरी में कामडेरा इलाके के उबुलबहा परिशा में मृत पौलुस मनकी की जगह में भेजा गया। १९३४ के सेप्टेम्बर २६ को पादरी पदस्थापन पाया। इसी काम में मेरा सब समय खतम होवे ॥

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,

1. *President* : Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2062/40 / F. 10A

Dated the 22.11.1940

The under mentioned document is forwarded to the Revd. B.Hemrom, Amlessa for informations and guidance.

J.J.P. Tiga
Secretary.

Extract from the Minutes of the Meeting of the Executive of the Church held on the 20th. November,1940 in the President's bungglow .

" Item 6. Some land in Amlessa.- Rev. B.Hemrom ka sawal Tahsildar ke pas bheja jawe aur wah uska uttar dewe.

" Item 12. Christodas Gari of Basukochas request for permission to remarry .- Note kiya gaya ki istihar Gharbandhu men chhapa gaya aur stri ki or se koi dabi nahin hai.

Faisla:- Faisla huwa ki anewale Full Council men iska faisla kiya jawe. "

••••••••••••••••••••

No. 2061/40/F.10A. G. E. L. ~~Mission~~ Church
Com, Ranchi

Date 22/11/1940

मान्यवर पादरी बरनाबस हेमरोम को येशुसहाय

आगे आप का १५ नोवेम्बर का कागज मिला—
जिस को आप ने महामान्यवर Rev, J. Stosch
साहेब के पास भेजे हैं.

I उलीहातु इलाके तमाड़ इलाके का कुल कागज
बाबु निर्मल भेंगरा के पास भेजा गया ता.
१९-१२-२७ ई० को और उन का कागज
पाने की रसीद हम लोगों के आफिस में है.
कागज पाने का ता. २१-१२-२७ ई. का है

II हम लोगों के आफिस के नोट में है कि कोई
रवानापान नहीं है।— पा लिस्ट में नाम है

आगे शुक्र

22/11/40

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer :* Mr. N. Soy,
3. *Secretary :* Mr. F. N. Topono. x
4. Rev. J. J. P. Tiga, Secretary
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar.
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy.
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under [illegible] Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND,
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 1945 /40/F.10A. Dated the 4. 11. 1940.

Extract from Minutes of the Executive of the Church Council meeting held on the 23rd. October, 1940 forwarded to the Rev. Mansidh Toppno for information and guidance.

J J Tiga
Secretary.

....

23.10.40

" Item 13. Request from Umbulbaha pastor for Church Repairs:
Umbulbaha pastor ki chithi parhi gayi jismen Ilaka Chairman ki bhi sahi hai.Estimate ke sath arji kii gayi hai ki Girja marammati ke liye Church Council Rs.140/- dewe.
Faisla kiya gaya ki Parish ap hi apne Girja ko marammat karne ki chinta kare."

....

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. ~~*Secretary* : Mr. E. N. Topono~~
4. Rev. J. J. P. Tiga, Secretary
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar.
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy.
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under XXXXXX Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 1897/40/F. 10A. *Dated the* 30. 10. 1940

Extract from the minutes of the Executive of the Council of the G.E.L. Church held on the 23rd. October ,1940 forwarded to the Rev. Barnabas Hemrom, Ilaka Chairman of Amlessa Ilaka for information, necessary action and necessary communication.

J. J. Tiga
Secretary.

....

" Item 13. Request from Umbulbaha pastor for Church Repairs ;
Umbulbaha pastor ki chithi parhi gayi jismen Ilaka Chairman ki bhi sahi hai. Estimate ke sath arji ki gayi hai ki Girja marammati ke liye C.C. Rs140/- dewe.

Faisla kiya gaya ki Parish ap hi apne Girja ko marammat karne ki chinta kare.

Item 14. Letter from Rev. Barnabas Hemrom :
Arjiyon par bichar kar faisla huwa ki,

(1) School samgri ke liye Rs. 15/- diya jay.
(2) Girja marammati ke liye Rs. 30/- diya jay.
(3) Jamin kharidne ke liye C.C. rupaiya nahin de sakti hai. "

....

Church Council
Received 12.3.40.
Register No. 120
Date 6-3-40.
File 10A
Reply No...........
Date...............

Amlesa
6-3-40

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट रेम० जे० स्तोश-साहब को मेरा योशुसहाय।

महाशय,
आप के यहां रहते पुरुलिया इलाका के कुड़ी प्रचारकपन के विषय में स्क्रामेन्ट सम्बन्धी घटियां मैं ने आप को बताया था और आप वहां के लिये हुकुम नामा लिख देने का करार किये थे पर पीछे भूल से वह काम नहीं हुई।
लेतारे एतवार ३-३-४० को मैं डिमानया प्रचारकपन में था उस समय कुड़ी प्रचारकपन के तुता गांव के भाई लोग फिर भी अपनी घटी का बयान मुझे सुनाये इस कारण आप से अर्ज करता हूं कि कुड़ी प्रचारकपन को अमलेशा में मिलाने का उचित विचार कीजिये।
आजही अमुलबहा पेरिश के चेयरमेन से पत्र द्वारा हाल मिला कि वहां भारी गोलमाल बनमगड़ा वालों से होने वाला है। मैं आजही वहां नहीं जा सकता हूं; मुझ को ८-३-४० को रांची जाना है। इस लिये मैं इलाका सेक्रेटरी को वहां जाने का हुकुम दिया हूं। जिस्से देखे कि कैसा२ बात होने वाला है।
मैं ४-३-४० को देहात से वापस लौटा हूं मेरे आने के आगे ही मेरी पत्नी बिमार पड़ी हुई थी, जिससे उस को छोड़कर जल्द रांची न जा सका। आशा है आपसेमैं वहां रांची पहुंचने पर भेंट करूंगा।
बंगला का मरामत काम चल रहा है और लकड़ी, बत्ता, बांस लाने का भाइयों से बन्दोबस्त हुआ है। आशा है ७-३-४० तक में ये चीज कई जगहों से पहुंच जायगा।

आप का विश्वासी

Barnabas Herrow

File
N.T.
27.3.40

CC

Church Council
Received 26.11.39.
Register No. 338
Date 25.11.39.
File 10 A.
Reply No
Date

22

Amlesá
25 Nov. 1939

मान्यवर सी॰ सी॰ सेक्रेटरी मि॰ एन॰ तोपनो को मेरा यीशुसहाय।

कौंसिल के मेमो न॰ ५७३/३९/एफ-२९ तारिख ३१ जुलाई १९३९ की बैठकी के एटम-न॰ १२ के फैसला के (ii) वो (iv) के बारे में यह जवाब देता हूं।

कौंसिल २३ जून १९३७ को मुझे पत्र द्वारा हुकुम दिया कि मैं झरसुगदा में रहे। पर ३०-६-३७ फिर जोड़ाबांद बदली जाने का पत्र दिये। पत्र पाते मैं जोड़ाबांद चेयरमेन मा॰ पादरी मसीहदास लकड़ा को जनाया, आप मुझे लिखे यहां रहने का घर नहीं है सो कौंसिल से रहने का घर बन्दोबस्त करके आइये। इसी बीच कौंसिल मा॰ एफ॰ सुल्से साहब को झरसुगदा का चार्ज मुझ से ले लेने को ७-६-३७ को लिखे। हुकुमानुसार चार्ज सौंपकर उसी ता॰ को जोड़ाबांद में मेरे रहने का घर बन्दोबस्त करने के लिये कौंसिल को लिखा। जवाब न पाने पर मैं दूसरी पत्री १३-६-३७ को और फिर ३री पत्री १५-६-३७ को घर बन्दोबस्त करने का अर्जी कौंसिल को किया, पर जवाब न मिला।

इसी बीच में मा॰ पादरी एफ॰ सुल्से साहब से झरसुगदा का घर खाली करने को जबरान किया गया आप यह भी सल्हा दिये कि आप खुद रांची जाकर कौंसिल से घर बार बातचीत कीजिये। सो लाचार बस १७-६-३७ को कौंसिल से बातचीत करने के लिये रांची मेरे पहुंचने का पत्र भेजकर झरसुगदा से रांची रवाने हुआ; पर मैं रास्ते ही में बिमार पड़ गये। सो खूंटी से मेरे बिमारी का हाल कौंसिल को लिखकर चिट्ठी चले गये। कौंसिल मेरे सब पत्रों को पाये थे यह मा॰ पादरी डब्ल्यू॰ रदशिक साहब के पत्र द्वारा मालुम किया गया। सो :— १ घर खाली करने का जबरान किये जाने से झरसुगदा से मैं निकला,

२, रहने का घर न रहने के कारण जोड़ाबांद न जा सका, पर कुल बातों का सफाई करने के लिये मेरा रांची रवाना होना मेरे बिचार से अनाज्ञाकारी होना नहीं है।

३, बिल भी देर से नहीं पर २७-६-३७ को भेजा गया है।

उपरोक्त बातों के कारण कौंसिल से मेरी अर्जी है कि झरसुगदा में १ महीने तक डिटेन रहा उसका तलब, और चिट्ठी में अपने बिमारी के कारण ~~चिट्ठी में~~ ८ महीने तक छुट्टी में रहा उसका भी एलावेन्स देने का कृपा करेंगे।

और एलावेन्स —

आप का बिश्वास्त :—

Barnabas [illegible]

Church Council
Received 15.12.39
Register No. 357
Date 14.12.39
File 10A
Reply No. ....
Date ....

Amlesá
14 Dec. 1939

માન્યવર રેમ. જે. જે. પી. ~~સેક્રેટરી~~ સેક્ર૦ કો મેરા યીશુસહાય।

મહાશય,

સી. સી. એકજેક્યુટિવ કમિટી કે મેમો ન૦ ૧૧૫૪-૭૪/૩૯/એફ-૪૮ તા૦ ૨રી ડિસમ્બર ૧૯૩૯ કે આઇટમ ન૦ ૧૬ મેં પાદ્રિયોં કા જીવન વૃતાન્ત સી૦ સી૦ મેં ભેજને કા ફૈસલા હુઆ હૈ। ઉસી કે જવાબ મેં આપ કો બતાયા જાતા હૈ કિ ૧૯૩૫ હી મેં અપના જીવન વૃતાન્ત ભેજ દિયા હૂં। ઉસસે કૌંસિલ મેરે જીવન વિષય પૂરા જાનકાર હોગા।

કૌંસિલ કે આઇટમ ન૦ ૧૭ મેં જો ફૈસલા હુઆ હૈ કિ કૌંસિલ ઓફિસ મેં પાદ્રિયોં ઔર પ્રચારકોં કા નામ પેરિશ ૨ સે ભેજા જાયે, ઇસકે વિષય ઉમ્મુલબહા પેરિશ કે ચેયરમેન કો લિખા ગયા હૈ જવાબ આને સે દોનોં પેરિશોં કા શીઘ્ર ૮.૮ મેં ભેજા જાયેગા

કૌંસિલ કે મેમો ન૦ ૧૧૯૯-૧૨૧૬/૩૯/એફ-૪૮ તા૦ ૬ ડિસમ્બર ૧૯૩૯ કે ચિઠ્ઠી મેં મંડલી જયદાદ કે વિષય લિખા ગયા હૈ; ઉસ કે જવાબ મેં આપ કો લિખા જાતા હૈ કિ મિ૦ એન તોપનો ૮.૮ સેક્ર૦ કો ૧૯-૧૦-૩૯ કો અમલેશા ઇલાકા કા જયદાદ સમ્બન્ધી રિપોર્ટ હાથોં હાથ સૌંપ દિયા ગયા હૈ કૃપયા મિ૦ એન૦ તોપનો સે દરિયાફ્ત કરને સે આપ કો મિલ જાયગા।

મહાશય આપ સે અપીલ કિયા જાતા હૈ કિ અમલેશા પેરિશ કે લિયે ૧૯૪૦ ઈ૦ કા પંચિકા ૪.૨ કાપી મી૦ પી૦ દ્વારા ભેજને કો કૃપા કરેંગે। આપ કો બતાયા જાતા હૈ કિ અમલેશા પેરિશ મેં ઘરબન્ધુ ગ્રાહક ૧૯૩૯ તક ૮ જન થે અબ ૧૯૪૦ ઈ૦ સે ઘરબન્ધુ પાઠક ઔર ૮ નયે જન હુએ હૈં પુરાને ઔર નયે મિલ જુમ્લે ૧૬ જન હોંગે। જનવરી સે ૧૬ કાપી અમલેશા પેરિશ કે લિયે ભેજને કી કૃપા કરેંગે।
૧૯૪૦ કે ઘરબન્ધુ મૂલ્ય દો કિસ્ત મેં ભર દિયા જાયેગા।

આપ કા વિશ્વાસી
Barnabás Haurom

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1245/39/F- 10 A. Dated, the 15th Dec., 1939.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. B. hemrom for information.

Sd/- Tiga
Actg. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes ofthe C. C. Executive Commtt. held on the 12th December 1939 at 3 p. m.

Item No. 22.

" Rev. Barnabas Hemrom's renewed application :- Yah bishay phir phir ke bichar kar phaisla kar diya ja chuka hai isliye aur dusra bichar nahin ~~xxx~~ hoga." about his T.A. from Jharangunda to Chidi.

File
No. 27. 10. 39.

Church Council
Received 9.9.39
Register No. 293
Date 12.8.39
File 10A
Reply No. ....
Date ....

Uvabulbaha
12-8-39.

मान्यवर महाशय को मेरा यीशुसहाय,

आमलेसा इलाके मे उम्बुलबहा

परिस में इस साल अनेक गोलमाल हुआ। दो जगह का अर्थात चलकद मराडली और मलुटी मराडली का गोलमाल तो शान्त हुआ पर तौभी मलुटी मराडली के भाई लोग जिन्होंने गोलमाल किया था कम भाई कहिन गिरजा आते हैं जौभी कि अनेक बार समझाये गये और समझाता तो अबतक नहीं छोड़े हैं। तीसरा गोलमाल कुड़ुम्बादा: मराडली में है। इसी गोलमाल में हम दोनों पादियों ने धोखा खाया था कि एक दूसरे से मन बटाया था। उनगोलमालों का बिशेष कारण है अर्थात एक प्रचारक समुएल पुर्ती उम्बुलबहा में था जो मराडली की भलाई के लिये वह चलकद मराडली में बदली किया गया था 1938 के अगस्त में; क्योंकि वहां का प्रचारक काम छोड़ता था पर समुएल पुर्ती बदली न जाकर काम से इस्ताफा लिया और वह जो परिस का सेक्रेटरी था उस काम को भी छोड़ दिया। उसके थोड़े दिनों के बादमें वह मराडली बिरोधी बन गया। उसने मलुटी मराडली के कितने भाइयों के साथ मिलके लोगों को उसकाया कि मराडली नियम को मत मानो और उसीके चलाने से और दरखस्त का ध्यान बनाने से आप के पास भी एक दरखस्त पहुंचा था।

फिर चलकद मराडली में गोलमाल हुआ अर्थात जब चलकद के मराडली कर्म्मचारी का घर मराम्मत किया जाता था तो गोलमाल करनेहारों ने मराम्मत करना रोका कि घर न बनाया जाय। पर वह भी शान्त किया जाकर घर मरामत किया गया। अब समुएल पुर्ती उनसे मिलता है ~~~~ जिन्होंने गोलमाल किया था कि फिर से गोलमाल उठाओ।

1938 के पुन्यरात को यह कुड़ुम्बादा: गोलमाल भी शुरु ~~~~ किया है। उसने भाइयों को उसकाया कि कुड़ुम्बादा: मराडली को दो भाग करो। उसकी बात से लोगोंने बलपाया और मराडली दो भाग हो गया। उसने अपने को कभी नहीं दिखाया और आज तक नहीं दिखाता है पर भीतर भीतर बिगाड़ने में बहुत जोर करता है। शुरु में जब सुनाया गया कि कुड़ुम्बादा: मराडली दो भाग हो गया तब जांचने को गये तो यह पाया कि वहां का स्कूल तजा होवे अर्थात ग्रान्ट होने को जीता रहे। इस लिये

हम अलग गिरजा करते हैं। उनको समझाया गया कि ऐसा कहना करना अच्छा नहीं है। स्कूल आप लोगों का रहेगा जो भी कि आप लोग कुडुमबाद: में गिरजा करेंगे और बनमगाड़ा में स्कूल करेंगे। मैंने समझाने को बहुतों को भेजा और बहुतों ने एक एक जन को जहां पाया वहां बहुत गम्भीरता से समझाया और वे समझते पर समुएल पुर्ती ने उनको एतवार एतवार और बजार बजार को उनको बहुत समझाया कि अलग गिरजा करो। उसने आप ही अपने को उनका प्रचारक बनाया है। और अब उन्होंने यह ठाना है कि कठिन से कठिन दोष लगा कर मुझे यहां से भगा देने का विचार किया है वे लोग तो व्यभिचार और अन्याय का दोष लगाते हुए बहुत प्रचारते हैं कि पादरी को काम से छुट्टि कर देंगे। मैंने अपने चेअरमैन को सहायता करने को अर्जी किया है और उसकी सहायता से वह गोलमाल दबेगा और बनमगाड़ा लोगों और मेरे बीच में मिलाप हो जायगा।

मैं तो दरखास्त नहीं देता हूं कि उस भाई का विचार किया जाय पर मैं अपनी नीज संकट और कठिनता आपको जनाता हूं। कितने बहुत लोग Autonomy का अर्थ "स्वाधीन अर्थात जैसा चाहे तैसा करता," समझते हैं।

प्रभु में मैं आप का संगी भण्डारी

M. Sanga.

Umbulbaha.

No. 28.

Church Council
Received 14.8.39
Register No. 266
Date 12.8.39
File 10 A.
Reply No.........
Date.........

To
The Secretary,
G.E.L. Church,
Ranchi.

File
N.R. 12.9.39.

Dated Umbulbahathe 13th August 1939.

मान्यवर महाशय को मेरा यीशुसहाय ।

मैं ने आपकी चिट्ठी न. 559 ता. 27 July, 1939 पाई ।

मैं ने पादरी बरनाबास हेमरोम को जो लिखा वह क्रोध से नहीं लिखा, न मुझ में उससमय क्रोध था । मैं ने साधारण की दशा में रह कर ऐसा लिखा कि वह सवधान हो जावें और गोलमाल का काम न करें, क्योंकि उसी समय उनको समझाने का एक सुअवसर है और इसलिये मुझे घुमा के लिखना पड़ा कि परदेशी लोग रास्ते में पढ़ेंगे तो वे न समझे क्योंकि कभी कभी परदेशी और बिरोधी लोग चिट्ठी को रास्ते में पढ़ जाते हैं और चिट्ठी के बिरोध में बोलने और काम करने लग जाते हैं, और तब बुराई अधिक बढ़ती है और ऐसा हुआ भी जिसको पादरी साहेब ने नहीं पकड़ सका और नहीं सोचा, और इसी में गलती हुई । मैं सदा एक साथ मिल के काम करने चाहता हूं और काम करने के लिये उनको आज्ञा भी दिया कि वे उम्बुलबहा में पंचैत ठहरावें और ऐसा ही हुआ भी । मुझ में कुछ गोस्सा नहीं था जैसा मैं आगे मिलता था वैसा ही मिला, वैसा ही व्यवहार किया । फिर जो बेमेल उनका मुझ से था, मैं ने उनको समझा दिया और तब वे भी सन्तुष्ट हो गये और मिलाप के लिये धन्यबाद भी किया । वह गोलमाल तो अब तक शांत नहीं हुआ पर शांत करने की इच्छा रखते हैं । वे इसबात में अर्थात वहां के गोलमाल को शांत करने में मन लगावेंगे तो निश्चय ही गोलमाल दब जायगा । यह मैं पक्का आशा रखता हूं ।

मैं यह भी बताता हूं कि वे हठीले और मराङली बिरोधी लोग इतना ही नहीं जो उन्होंने किया पर इससे अधिक कि वे मुझे अनेक प्रकार का बड़ा बड़ा दोष लगा के यहां से भगाने की मनसुबा बांधे हैं । मुझे उन लोगों के लिये बड़ा अफशोस है कि वे नहीं समझते हैं और मराङली नियमों को नहीं मानने चाहते हैं ।

आप का विश्वास्त

M. Sanga.

No 25.

Church Council
Received 7. 8. 39
Register No. 263
Date 5. 8. 39
File 10 A.
Reply No.........
Date.........

To
The Secretary G. E. L. Church
Ranchi.

File
Nr 12-9-39

Dated Umbulbaha the 5th August 1939.

मान्यवर महाशय,

को मेरा योशुसहाय ।

आप की चिट्ठी न. 552/39/F-10-A ता: 26 July 1939 मिली ।

कुछ लिखने के आगे मैं माफी मांगता हूं, मैं सब प्रकार से दुर्बल हूं और दुर्बलता से यह काम किया जो मुझ को करना उचित न था पर तौभी मुझे कुछ आप को लिख देना पड़ता है :—

बोल तो कुड़ुम्बादा: मराङली की ओर से निकली कि वहां मराङली बिरोधी लोग उठे और मराङली को दो भाग किया। एक कुड़ुम्बादा: में और दूसरा बनमगाड़ा में । यह दो मराङली होने के योग्य नहीं, यह छोटी मराङली है । बनमगाड़ा वालों के कुड़ुम्बादा: गिरजा न जाने का ~~कु~~ कारण खुब जांच किया गया तो केवल इतना बताया गया, यदि हम लोग कुड़ुम्बादा: मराङली जायेंगे तो स्कूल टूट जायगा । यही कारण है ।

1. पादरी बरनाबास हेमरोम से हमारा व्यक्तिगत झगड़ा कुछ नहीं है । पत्री के अन्त और सुरु देखा जाय ।

2. वह लिखावट "मैं इलाका को तोड़ता हूं, आप को देखना नहीं चाहता हूं, आप सभा में मत आइये" ~~खेखक~~ असल में ऐसा होना चाहिये जिसको मैं ने सीधा नहीं लिखा और अभी भी लिखना नहीं चाहता हूं अर्थात "आप इलाका को तोड़ते हैं, मुझ को आप ~~को~~ देखने नहीं चाहते हैं, मैं सभा में न आऊं" । जून महिना में फैसला हुआ कि ऐसा न मानने हारों को शादी, बप्तिस्मा दत्त न दिया जाय, कि वे सुधर जाय । वे आप चेअरमैन होके फैसला किया और आप चेअरमैन होके तोड़ते हैं और वे आप एक गिरजा को दो गिरजा बनाते हैं जो कर्मचारियों के काम और व्योरा नामे नियम के बिरुद्ध हैं । वह कुड़ुम्बादा: मराङली मेरे परिश में है, मैं ने इसके बिषय जोर किया कि ऐसों को बुझाने को कुछ उपाय किया जाय और उन्हों ने फैसला

P. T. O.

किया और वे अब तोड़ते हैं; और यदि वैसा ही किया जाय तो कम से कम और चार मराडली आपने को दो दो टुकड़ा करेंगी ।

3. मैं ने सीधा उनको दोष देके नहीं लिखा इसकारण कि सभा में बोलता हूं और मेरे ऊपर रंज हुआ करते हैं । इस चिट्ठी के तुरंत बाद इलाका उम्बुलबहा में बैठने वाली थी और इलाका पंचैर में यह निकलनेवाली थी । सो मैं आपही इस का दोषीदार बताया जौभी कि मैं नहीं हूं, कि इलाका में पेश किया जाके इलाका ऐसी बातों के बिषय जोर करे। मैं इलाका के फैसला और कार्रवाई के बिरुध नहीं किया इसलिये मैं नहीं तोड़ता हूं पर वे ।

4. उन्होंने बनमगाड़ा वालों को, जब शादी लेने गये तो वे चिट्ठी के भी शादी ~~देने~~ देने चाहा और शादी देने को ~~करार~~ करार किया और जबराईचिट्ठी-लाने को भेजा और उसके जोर और इच्छा पर दिया और शादी हो गई ।

5. स्वाधीनता का हक मराडली करती जायगी तो इलाका के लिये अति कठिन काम बनेगा ।

मैं और मराडली आपके हैं और मैं तो दोषी हूं आप मुझे जो भी सजा दीजिये पर मैं हाथ जोड़ के अर्जी करता हूं कि मराडली को बचाईये ।

आप का विश्वास्त

M. Sanga

Umbulbaha
5-7-39.

Manyawar Rev. ~~B~~ Hemrom. ko mera bahut jishwak Banamgara logon ko Chithi, ap kea Sipharish mangte hain, isliye ki Umbulbaha Parish Thora kharab hua aur kharab howe, aj Maluti biggrahi hua hai, Karakasam ke log aj tak girja nahin jate hain, phir Chalkad men bhari golmal hai phir Banamgara men - ap kea Chahte hain ki banamgara logon ko shadi, Bachandatt, Snan aur Prabhubhoj de ke alag Girja deneki ~~Ch~~ bichar karte hain, Yadi yahi apki irada hai to Main AJ ILAKA KO TORTA hun, AP KO ANE WALE ILAKA MEETING MEN NAHI DEKHNA CHAHTA HUN - Ap na ~~aw~~ awen.

Banamgara lalon ka man aj tak waisa hi kara hai, we to Bhulse bhi Kurmbada Mandli men girja nahin karne chahte hain, Unhon ne apna prachaarak Samuel Purti Chuklu ko sada ke liye nijat karne par hain, we aj tek jane ka bichar nahin karte hain, weto ek ghar kharide hain aur usko ~~School~~ Girja aur school ghar bane ko tule hain - bahut logon ne bujhaya man ne ke badle to jhagra bhi hota hai - we to Sirni men se adha to ~~Sam~~ Samuel Purti jo abhi bhi hal men prachaarak hai, usko dete hain - mere log to wahan jake janch-kia. aur wahan paya ki Sirni men se prati hapta Samuel Purti ko dete hain. Dijiye shadi ap ki khushi, isliye ki ap sakte hain.

Apka bishwast.

M Saupo

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 651/39/F- 10. A.   Deated, the 28th August, 1939.

From :-
N. Topno Esqr.,
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

To,

Babu Prabhusahay Kandir,
Chitung.

Through,
The Ilaka Chairman,
Amlessa.

Ap ka darkhast hamen mila.   Ilaka ko likha gaya hai ki wah ap ke darkhast ka uchit bichar kar saphai kar dewe.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Church Council
Received 23.7.39
Register No 244
Date 22.7.39
File 10A
Reply No.........
Date.........

15 Rs /

Amlesá.
22-7-39

Mahámányawar, President Rev. J. Stosch saheb ko merá bahut yishusahay howe.

File
N.T.
31.7.39.

Maháshay. main 13-7-39 ko áp ko janayá tha. ki Umbulbahá Parish Chairman ápne likhit-motabik Amlesá Ilaká meeting ko torá hai. Par abhi Rev. M. Sangá likhte hain ki Umbulbahá Parish ke kai Pracharakpanon men garbar hai Is liye ágámi Ilaká meeting Umbulbahá men howe. Jiste Umbulbahá Parish ke garbar mitaye jawe, Main ne Ilaká Secretary ko khas Umbulbahá hi men 9-8-39 ko Ilaká meeting baithne ká Notice har taraph bhejne ko kahá hun aur yah bhi kahá hun ki sab Pracharakpan ke Prachin aur Panch us men hajir howe. jiste sab garbar saphai ki'i jawe.

(2) Main áp ko bahut dhanyabad kartá hun ki Amlesá Station ke girte Makánon ko girne se bachánе men madad kiye aur jahan tak hosaká marámat kiye gaye hain. Áp ko yah bhi batayá gayá tha. ki bhai log Rolá + Paiaur bans leáne ká karar kiye the par we un chijon ko nahin láye. Abhi hal men yáne 18-7-39 ko bará Banglow ke liye Rolá aur Pair aur 5 bhár tak bans lá diye hain. In chijon ke ájane se ichchhá hoti hai ki Banglow ke tute rolon ko badal kar dungá jiste bhari barsá men bhi kisi riti se gir na jawe. Par aphsosh ki bat hai ki kám karáne ke liye hauth men kuchh bhi paisa nahin hai. Áp ki ichchhá bhi jab yahi hai ki Banglow ke tute role badal kar diye jawe, to merá arji hai ki us kám ko purá karne ke liye 15/Rs bhej denge. Main suawsar dekh jaldi ádmi lagá kar maramat kará lungá.

(3) Banglow ke purab ke chhote line ke báre áp se ijájat mila tha; ki us ke khapre utáre jawe. aur usi se bará Banglow maramat kiyá jawe. Lekin aisá na kiyá jakar us Chote line ko bhi bacháne ká phikir men hain. Us ke liye bhi hál men 1 Gári tak bans mil chuká hai. par khali hauth ke karan wáh bhi maramat nahin kiyá gayá hai. Us chhote line ke bishay jab áp ki ichchhá bhi aisá hi hai ki wah maramat ki'i jaye to kripá kar us ke liye bhi kuchh madad kijiye jiste main girne se us ko bacháwen. Áp us ke bachaw ke liye bhi jab madad karenge to main bahut dhanyabád karungá. kyonki abhi aur ainde ke liye School larkon ke rahne ká koi ghar nahin hai.

Áp ká bishwast
Barnábas Hemrom

Church Council
Received 15-7-39
Register No. 237
Date 14-7-39
File 11A
Reply No.........
Date.........

Amlesa
14-7-39

Mahamanyawar President Rev. J. Stosch saheb ko bahut yishusahay howe.

Mahashay,

6-7-39 ke chitthi se main ap ko janaya hun ki Rev M. Sanga likhe hain ki main Ilaka ko torta hun. Niyam motabik 12-7-39 ko Ilaka meeting hone-wala tha. Ilaka Secretary patr dwara Parish chairman ko meeting ke bare smaran karaya; par chitthi ki bat par kuchh parwah na kar apni likhit-bat puri kii karan Umbulbaha Parish se na koi Admi aya na chitthi hi bheja gaya.

Sunne men aya hai ki 6-7-39 ko Umbulbaha men Parish meeting thi. Banamgara Shadi wale Amlesa men Shadi na pake Umbulbaha wapas laute aur we bhi meeting men hajir hue. Meeting ke bich anek kisim ki jhagra takrar Parish Chairman aur Banamgarawalon men uttha. Mano sabha men bari hullar mach gaya. Shant na hone ke karan Parish Panchgan Parish Chairman aur Banamgarawalon ko meeting se bahar kar diye. Parish panchgan Parish chairman aur Banamgara ke logon ka jhagra mitane ke liye ek Commission chun liye. Ba'd Parish Chairman aur Banamgarawalon ko meeting men bulaye. Aur Parish Chairman se bole ki ap in ko Shadi chitthi dene ki kiripa kijiye. aur Banamgarawalon se bole ki ab jhagra band karo, Ap logon ke Kurumbada pracharakpan men 9-7.39 men Commission jakar sab baten saphai karega.

Commission ke ichchha motabik Rev M. Sanga 6-7.39 ko Banamgarawalon ko Shadi chitthi diye jis ka nakal bhi ap ko bhejta hun. Us chitthi motabik main 10-7.39 ko un ko shadi diya.

Commission 9-7.39 ko jakar Kurumbada aur Banamgara ke bhaiyon ka anban ko janch kar Kurumbada se Banamgara girja ghar lejane ka phaisala kiya. Main ap ko Kurumbada ke Luthar Prachin ki beti ke bare men 21-6-39 ko bataya tha. Wah Larki apne doshdayak ko sabut karne na saki. Is karan Ganw panch Prachin ko jat bahar karke khana pina us ke sath band kar diye hain.

Larki ki buri chal ke bare aur us ke pita ka atyachar aur girja ke do bhag hone ka sab hal Banamgara bhaiyon ne khuli riti se Parish chairman ke age hi suna diye the. Tis par bhi Ap Prachin ke paksh men hoke un ki baton ko an suna kar ke Banamgarawalon hi ko doshi thahrata tha. Jab Commission ko malum hua ki sab anban aur golmal ka karan Prachin aur us ke gharana hi hai tab Girja ghar wahan se dusri jagah hatane ka ray diya. Is par us pracharakpan ke adhik se bhai log bhi bole ki Girja ghar Banamgara men banaya jaye. Bhaiyon ke bat ke saman Commission Girja ghar + Pracharak ghar Banamgara men lejane ka phaisala kiya, Aisi chhoti baton ke karan mandli men phulphat aur bhaiyon ke bich takrar barhana bari anuchit aur hanijanak hai.

Main ap se aphsosh sahit arji karta hun ki Ilaka sangathan jo tori jane par hai bahut jaldi sudharne ka rasta aur upay dikhawenge jis se garbar barhne na paye aur Mandli ki bhalai bana rahe.

I Padrion, Pracharakon ke Scale aur kam sambandhi bat.

No 15 motabik Dimniya aur Sindrihurang pracharakpan Ilaka Am Sabha men jaisa pahle tha aisa arthik kathinai dekh ke phir se ek Pracharakpan banaya gaya hai. Is ke liye Dimniya ke char bhai bahut goosa ho kar Dimniya men hi girja karte aur dusron ko bhi Sindrihurang girja jane se mana karte hain han dhamki bhi unhen dete hain. Main un ko samjhane bujhane ka bahut lalsit hun. Par apne Bimari dasa ke karan un ko samjhane ka phursat ab tak nahin paya hun. Bimari se changapan pane par sighar un ko samjhane ka koshis karunga.

Ap ka bishwast

Barnabas Hemrom

File
N.T.
31-7-39

Ex. for next meeting J St

Church Council
Received 14.7.39
Register No. 232
Date 6-7-39
File 10 A
Reply No.
Date

9

Mission Compd. Tulesa
6-7-39

Mahamanyawar, President Rev. J. Stosch saheb ko bahut yishusahay.

Mahashay,

Main aphsosh sahit āp ko Tulesa Ilāke ke bishay janata hun.
Uubulbahā Parish ke Banamgarā ganw ke Hanukh Tiru kā beta Johan Tiru aur us ki mangni dulhin Tulesā Parish ke Pandādih pracharakpan ke Mrit Gabriel Topno ki beti Magdali Topno ki shādi 26-6-39 ko honewāli thi. Par us tarikh men nā āke 3-7-39 ko we āye. Ane par we mujh ko shādi patr diye. Chitthi dekhne se jānā gayā ki wah patr mere nām hi par Kurumbadā pracharak pan ke Pracharak aur Panch logon se likhā gayā hai. Ilakā saukalp ke motabik main us chitthi ko mangur na kar ke main un ko Padri babu ke pas chitthi lāne ke liye bhejā. meri ichchhā motabik Banamgarā kā Hanukh Tiru aur Yunas Samad Uubulbahā laut kar Manyawar Rev. M. Sangā ko chitthi mange. Padri un se kuchh na bolkar un ke hānth ek patr bhej diye. Main us ko parh kar chitthi kā nakal likh kar apne pas rakh Padri Babu kā likhit-Original āp ke pas bhejtā hun. Us chitthi se Uubulbahā Parish men jitne garbar baten hain jane jate hain:- Jaise Maluti Pracharakpan men, Karakasom ganw men, Chalkad pracharakpan aur Banamgara yā Kurumbadā pracharakpan men. Rev. M. Sangā ke lekh se in jagahon ke garbar kā karan main samjhā jātā hun. Kyonki āp khule taur se likhe hain "Main Ilakā ko tortā hun, āp ko anewāle Ilākā meeting men nahin dekhne chāhtā hun" Mere samajh se aisi baten ek Padri ko bolnā yā likhnā anuchit jāntā hun.
Bite sal August mahine, jāne barsat hi men bāri muskil tā se donon Parish ke pracharakpan, Parishon aur Ilākā kā sangathan kiyā gayā. Ab Ilākā chairman ke upar Uubulbahā Parish ke bhai bahinon aur Parish Chairman ke bich kā garbar phenkā jātā hai. Bhaiyon se batchit karne se mālum hai ki Uubulbahā Parish ke aur 2 pracharakpan men bhi garbar hai. Tis par bhi Parish Panch Ilake men koi Report ab tak nahin diyā hai. Is tarah Ilaka anjan rah ke un garbaron ko sudharne men sāmarthhin hai.
Ilake ki durbaltā aur dusri 2 baton men pichhari pare rahne kā karan Padri hi log honge. Mrit Padri Paulus Manki aur Mrit Padri Johan Vengrā ke bich sadā anban rahtā thā. Aisā hi Mrit Padri Johan Vengrā aur Padri Babu Markash Sangā ke bich bhi aisā hi anbanao chaltā thā. Isi se Ilake ka sangathan aur Centralise tut gai thi. Ilake ke aguwaon ke bich chhoti 2 baton ke liye aisi anban chaltā rahe jaisā is samay Rev M. Sangā khule taur se likh diye hain "Ilakā ko tortā hun". To merā arji hai ki āp jaldi janch kijiye aur jis ke upar pragat ho ki yahi jan garbar karne harā hai jaldi Ilake se alag kar diyā jawe. nahin to dar hai ki garbar Ilake men barh chalega.
Ap malik hain is garbar ko tay karne ka uchit bichar kijiye, jis te Parishon aur Ilake kā sangathan banā rah ke apne bhulon ko sudhare aur Atmik aur arthik unatti men barhte jawe.
Main Kurumbada ke Pracharak aur Panchon kā patr 26-6-39 kā aur Rev M. Sangā ki chitthi 5-7-39 kā Original hi āp ko bhejtā hun.

Ap kā bishwasi.

Barnābās Hemrom

File N.T. 31.7.39

कुडुम्बादा: मराडली -
ता: २६-६-३९ ई० |

श्री · गुरू महामन्यवार - पाद्री बाबू बरनावास ~~[illegible]~~ को - हमलोगों की -
ओर से योशु सहाय | —

आगे समाचार कि ~~हम~~ हमारे उम्बुलवाहा - पेरिस के कुडुम्बादा: मराडली -
के बनमगाड़ा हनुख - टिडू का बेटा - मोहन टिडू संग श्री आप के इलाके .
पन्डाडीह मराडली के मृत गब्रियल की बेटी मगदली तोपनो: रान्डी -
आई जिनका पुकार २५-६-३९ को पूरा हुआ - है ·| शादी के लिये -
जाते हैं — कृपाया शादी दे दीजियेगा — | लड़केकी ओर से
कुछ रोक टोक की बात नहीं - है - | —

आप के आज्ञाधीन

पन्च - गण —
१ - मुनास लकड़
२ - अब्राहाम - बाड़ा
३ - समुएल नाग
४ - मानी नाग

चेयार मेन -
पाकुल · सोय

लेखक पन्चों के अनुमतिसे -
अब्रिहाम डुंगी
मास्टर
बनमगाड़ा - |

File
N.A.
31.7.39.

What about the Government registered marriage in the Court as they wish. Please explain it to them. and how many persons are going to concern in the matter, please note it. The question of marriage is ~~not recommanded~~ - though the Panchayat has signed. Please ask them the matter sincerely, but I cannot recommand them.

I am well and hope you not otherwise hoping to see you in the Unbulbaha Ilaka meeting commencing on the 12th July next.

Yours Sinly
M. Singh.

Copy.

Umbulbaha.

5.7.39.

Manyawar Rev. B. Hemrom ko mera bahut yishusahay. Banamgara logon ko chitti, ap kya sipharish mangte hain, isliye ki Umbulbaha Parish thora kharab huwa aur kharab howe, aj Maluti bigra hi huwa hai, Karakasom ke log aj tak girja nahin jate hain. Phir Chalkad men bhari golmal hai, phir Banamgara men. Ap kya chahte hain ki Banamgara logon ko shadi, Bachancatt, Snan aur Prabhubhoj de ke alag Girja dene ki bichar karte hain. Yadi yahi ap ki irada hai to main AJ ILAKA KO TORTA HUN, AP KO ANE WALE ILAKA MEETING MEN NAHIN DEKHNA CHAHTA HUN. ap na awen.

File
N.T.
31.7.39.

Banamgara walon ka man aj tak waisa hi kara hai, we to bhulse bhi Kurnnbada Mandli men girja nahin karne chahte hain. Unhon ne apna pracharak Samuel Purti Chuklu ko sada ke liye niyukt karne par hain, we aj tak jane ka bichar nahin karte hain, we to ek ghar kharide hain aur us ko Girja aur School ghar banane ko tule hain. Bahut logon ne bajhaya. Manne ke badle to jhagra bhi hota hai. We to Sirni men se adha to Samuel Purti jo abhi bhi hal men Pracharak hai, usko dete hain. Mere log to wahan ja ke janch kiya aur wahan paya ki Sirni men se prati hapta Samuel Purti ko dete hain. Dijiye shadi ap ki khushi, isliye ki ap sakte hain.

Ap ka bishwast,

Sd/- M. Sanga.

True copy

Umbulbahá
6-7-39

Mányawar Padri B. Hemrom ko merá yishusahay.

Main anand se kahta hun ki Johan Siru ko Shadi dene ki kripá kijiye, Inhon (Banamgara logon) ne kahá "Parish jab ham logon ko ek karne ko phaisalá karegá to ham log manenge".

File
N.C.
31.7.39.

Ap ká bishwast
(sd/) M. Sangá.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.

No559/39/F- 10 A. Dated the 27th. July 19.39.

To,

The Rev. M. Sanga,
G. E. L. Church, Umbulbaha.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Tamar Chairman se ham logon ko dusri chitti mili hai jis men we likhte hain ki apne Chairman ko Ilaka Panch ki bhaithki ke liye likha hai ki August mahine men wah Umbulbaha men howe aur ki Umbulbaha Parish ke golmalon ko shant kare. Is chitti ko pakar ham log khush hain. Ham log chahte hain ki mel prem se ap log Mandliyon ko sambhaliye. Hamari kal ki chitti ka jabab arthat kaiphiat dene ke badle ap ek report dijiye ki ap log kahan tak golmal ko shant karne men saphalwant hote hain.

Kabhi kabhi kam karte karte krodh ata hai par taubhi ham logon ko Prabhu ke karan krodh ko jagah nahin dena chahiye. Krodh ke samay chitti likhna bhi achchha nahin hai. Apne krodh ke samay chitti ko likha hai jisse Chairman ko bahut chot huwa tab wah ap ki chitti ko yahan bheja.

Joho un sab ko bhul kar golmalon ko shant karne men age barhiye.

P. T. O.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.

No. 552/39/F- 10. A. *Dated the* 26th July 1939.

To,

The Rev. Markas Sanga,
G. E. L. Church, Umbulbaha.
P. O. Bandgaon, Dist. Ranchi.

Manyawar Padri Babu ko jishusahay.

Yah ap ki likhi huwi chitti hai jis ko ap ne Padri Barnabas Hemrom ke pas likha. Meharwani kar ke likhiye ki ap ne is prakar ki kari chitti apne sangi karmchari ke pas kyon likhe., Ap kyon likhte hain ki " Main Ilaka ko torta hun, ap ko dekhna nahin chahta hun, ap Sabha men mat aiye." Apni is chitti ko apne report ke sath 15 dinon ke andar bhejne ki kripa kijiye.

Ap ka bishwast,

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary.

Report requisitioned from Umbulbaha Padri

D. 14

ता० ८-३-३९

11/3/39

महामान्यवर प्रेसीडेन्ट साहेब जी० इ० एल० मिशन

रांची।

अर्ज ऐसी है कि मोरभोंज स्टेट के भीतर गोपीनाथपुर गांव में ६-१० घर लूथेरान खृस्तान लोग हैं जिन में १६-१७ दृढ़ीकृत स्त्री पुरुष हैं और १६-१७ स्नान पाये हुए लड़के लड़कियां हैं और १२ प्राती धर्म खोजक हैं। हम लोग रांची जिला के उम्बुलबहा पेरिश के रहने वाले, मोरभोंज में जाकर बसे हुए हैं। यहां रहते हम लोग १३-१४ वर्ष तक हो गये हैं गिर्जा बिन्ती आराधाना हम ही लोग लूथेरान बिश्वास और नियम के अनुसार ही चलाते हैं, पर लाचार बश होकर स्नान और प्रभु भोज अंग्रेजी मिशन के पादियों से लेते हैं, क्योंकि इस स्टेट के भीतर कहीं भी लूथेरान मिशन स्टेशन नहीं है और किसी जगह का लूथेरान पाद्री अब तक नहीं आये हैं। दृढ़ापन पाने के लिये तो जब जवान जुवती तैयार होते हैं तो उम्बुलबहा ही में भेज कर दिलवाते हैं सो भी बहुत दुःख तकलीफ उठा के जाना पड़ता है, सो हम लोगों की दीनाधीन अर्जी यही है कि अगर साल भर में एक या दो बेर तक हम लोगों का लूथेरान पाद्री आवे तो बहुत ही हम लोगों को उपकार होगी। और लूथेरान स्टेशनों से चाईबसा लूथेरान-

स्टेशन सब से अधिक इस स्टेट से निकट पड़ता है।
हम लोगों को यह आशा सहित दीनाधीन अर्जी पर
कृपा दृष्टि कर उचित विचार करेंगे जिसके लिये हम
आप के सदा धन्यवादी बने रहेंगे।

निवेदक आप के कृपाभिलाषी भाई लोग-

सही जोहन पुर्ती। सही बरनाबास संगा।
सही हबिल संगा। सही योहन टुटी।
सही सम्मुएल पुर्ती। सही निकोदिम पुर्ती।
सही मनसिद्द टुटी। सही बोआश पुर्ती।

टेपा सही
मसीहदास संगा

टेपा सही
अनतोनी टुटी

टेपा सही
कर्लूस टुटी

टेपा सही
योहन संगा

टेपा सही
ख्रिस्तोपाल संगा

टेपा सही
बोआश पुर्ती

टेपा सही
बोआश टुटी

टेपा सही
बेन्यामीन ओड़ेया

Chaibasa Padri ki chithi
ka main C.C. meeting ka
samay lete jaunga
L-Jojowar
15-5-39.

Kitadih, P.O. Tatanagar.
15.5.39.

To The President,
G.E.L. church, Ranchi.

Mahamanyawar Mahashay,
mela yishusahay. ap ko

Ap ki or se Gopinathpur ke bhaiyon ka darkhast 4.5.39 ka mujhe mila. main ne kal 14.5.39 ko Jamshedpur Parish Committee ke age pesh kiya aur us darkhast par bichar hua aur aisa kaha gaya:-

(1) Myurbhunj state Jamshedpur se Dalbhum rajjya se us par dakhin men bahut dur par hai aisa jaisa ki Ranchi se koi Padri jata Karimatti.
Chaibassa Padri Myurbhunj ke bhitar Gurumahisini mines ke bhaiyon ko dekhta hai yahan se 2 roj ka rasta jangal bhitar Gopinathpur hai.
~~Dalbh~~

Dalbhum rajya ki dukurdiha mandli ko bhi Chaibasa Padri dekhta hai mera bichar hai ki jadi chaibasa Padri ko gurumahisini dekhna kathin nahin hai to Gopinath bhi kathin nahin hai. kyon Jamshedpur Dalbhum rajya ko par karke Myurbhunj ke bhitar jayega. Jamshedpur Padri ko Myurbhunj state men jane ka "permission" state se pana hoga pher "marriage license" pana hoga iske bina nahin ja sakta hai phir ane jane men bahut kharach hoga.

(2) Jamshedpur Parish Gopinathpur ko ~~lega~~ le sakta yadi Jamshedpur se dakhin Gopinathpur jane ke waste men jitni mandli hain we diyi jatin jinko chaibasa Padri abhi dekhta hai. arthat Dalbhum men Dukurdiha mandli aur gurumahisini mines Myurbhunj state men (Jamshedpur ko diya jatin)

P.T.O.

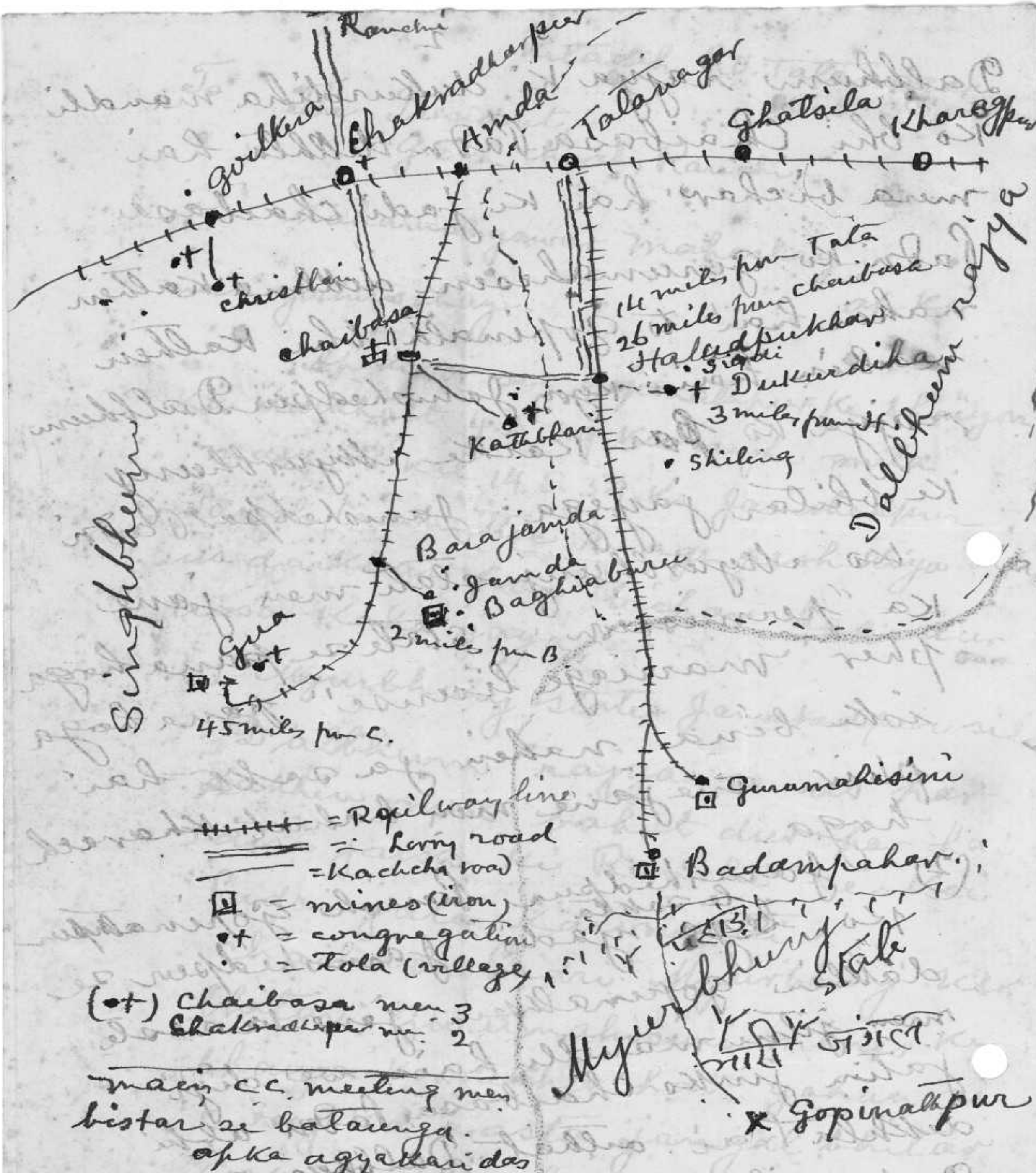

main C.C. meeting men
bistar se bataunga.
apka agyakari das
Luther Jojowar
15-5-39

Chaibassa
23.5.39

Mahámányawar Revd J. Stosch sáheb
ko bahut 2 Yishusaháy!

Tour se laut ke 20.5.39
ko main ne ap ki chithi pai aur
sath men Revd Luther Jojowar
ki chitthi bhi. Main Revd L.
Jojowar ki chitthi aur map
par bádannbád karne nahin
cháhtá hun. Par uske sambandh
men main 1.2 baten batáne
chahta hun. (1) Revd L. Jojowar
likhte hain ki Chaibassa ka
padri Gormahisani tak játá
hai isliye wah Gopinathpur ko
bhi dekh saktá hai yah bichar
thik nahin hai. Main hi apni
shakti ko janlá hun. Tatanagar
se Badám pahár tak sidhe
Train se jana hota hai aur
wahan se Gopinathpur 1½ athwa
2 din ki rah hai aur paydal
chalna parta hai. Phir bhari

jangal hai. Raste men bahut hâthi aur bâgh pâye jâte hain. aur bahut Dar ki bât bhi hai. Gopinathpur ko dekhna meri shakti se bâhar hai.

(2) Tata Parish Gopinathpur ko tab Dakh sakti hai jab ki Dukurdiha aur Gormahisani di jay. Yah ray main nahin de sakta hain kyonki ek bar Dukurdiha mandli ke bhai bahinon ne yah prarthna kiya ki we Tata Parish se mil jane nahin chahte hain.

Ap ka agyakari
C. K. Bhengra
G. E. L. Church
Chaibassa

Rev Luther
Gjörven
for report

Church Council
Received..........
Register No..........
Date..........
File..........
Reply No..........
Date..........

Amlesa
9 Nov 1938

मान्यवर C.C सेक्रेटरी साहब को मेरा यीशुसहाय होवे।

महाशय, आप से निवेदन किया जाता है कि मेरा एक दरखस्त बतारिख ५-३-१९३८ को भेजा गया है जो मान्यवर रेभ० डब्लु थम्सन साहब खजन्ची ७-४-१९३८ को कार्य्यकारिनी सभा में उसे पेश किया था। न मालुम उस का विचार कौंसिल में हो गया है या नहीं, मेहरबानी करके शीघ्र जना देने की कृपा करेंगे। आप उस दरखस्त को देख कर उस का पुरा बयान मालुम कर लेंगे।

सुनने में आया था कि आगामी महासभा जनवरी १९३९ हीं का होने वाला रहा उसके बारे आप लोग कौंसिल में क्या फैसला किये है उस का खबर भी देंगे।

इधर आज कल मन्डली को काम जैसी तैसी अच्छी ही चल रही है, लेकिन अनेक जगहों में देन सम्बन्ध बहुत रोकटोक और गड़बड़ पन्थ लोग मचाते हैं। आशा है आस्ते २ वह सब सुधारा जायेगा।

आगे हम लोग इधर स्कूल के बारे बहुत चिन्ता कर रहे हैं जो इच्छा करते हैं कि स्टेशन में खिस्तान लड़कों के लिये एक बोर्डिंग खड़ा करें देखें यह सब इच्छा पुरी होती है या नहीं।

File
N.T.
27.5.39

आप का विश्वस्त

B 9

(2)

सिन्दरी हुड़ंग प्रचारक पन मे जांच कमिशन का जांच रिपोर्ट।

कमिशन मेम्बर :— पाद्री बाबू एम० संगा (सिर पंच)। पाद्री बाबू बी० हेम्ब्रोम इलाका चेयरमेन। बासुकोचा का प्रचारक हनुस पुर्ती। बासु कोचा का सेक्र० प्रभुदयाल पुर्ती। चुकलु का प्रचीन युनाथान सोय। रेदसुद का प्रचीन लुकास आइन्द। वो इलाका सेक्र० एन० भेंगरा।

कोई किसम से युनाथन सोय प्रचीन गैरहाजिर हुए बाकी सब उपस्थित आये थे।

२८ नोभेम्बर १९३८ को जांच कमिशन अपना काम आरम्भ किया। काम का आरम्भ कमीशनर बाबू एम० संगा प्रथाना के साथ खोला और प्रतिजन अपने को जांचने का एक छोटा उपदेश भी दिया। इस के बाद हजरी लिई गई हजरी यों रहा

सिन्दरी हुड़ंग :— योहन, युनस, योहन संगा, शनिल मुन्डु।
नौकबेड़ा :— बरनाबास प्रचीन, समुएल, युसफ दानिएल, यासैयाह, वो बरनाबास।
कुद्या दा :— योहन, शिमोन, नथानिएल, मरकास सुलेमान, आबिरहाम।
तिरला बेड़ा :— I जयमसीह II जयमसीह, मरकस वो आन्द्रियास।
कुंडार कोचा :— सेक्र० मर्टिन का बाप।
डाड़ी कोचा :— मनसुख, प्रभुदयाल, वो प्रभुसहाय।
धार कोचा :— मरकस, वो ख्रिस्तोचित।
हरुब दिरी :— प्रभुसहाय।
रेदउली :— सन्तोष।
बेलबेड़ा :— जकारियाह निर्बन्ध सामुएल, सामुएल वो मनसिद्ध।
पन्डाडीह :— आबिरहाम, दाऊद प्रचीन, युसफ, योहन्न, आबिरहाम, मसीहदास, योहन, बिन्यामीन, मनसुख, पौलुस, कुशलमय, मनसिद्ध वो पौलुस।
डिमिनिया :— समुएल प्रचा०, मनसिद्ध, जकरियाह, युसफ, समुएल, सुलेमान, मनमसीह, जयमसीह, आबिरहाम, नथानिएल, आमुस, प्रभुदयाल वो प्रभुसहाय।
बासुकोचा :— आनन्दमसीह, मसीहदास, विलियम, पतरस, योहन्न, थोमस, युनस, सुलेमान वो योहन। —
उलीहतु :— योहन बड़ो। —
उम्बुलवहा :— प्रभुदयाल। ——

२. सिर पंच ने सिन्दरी हुड़ंग खजान्चो को सिन्दरी हुड़ंग प्रचारक पन का खबर पूछते हुए मन्डली के गड़बड़ का हाल पूछा —

खजान्चो का रिपोर्ट :— मैं ने एक खस्तान लड़की वो एक ससार लड़के के साथ व्यभिचार में फंसने का हाल दिया है और यह भी सुनाया है कि मन्डली के कितने बाहिर उस पास के संग भाग हुए हैं। २रा कि सिन्दरी हुड़ंग प्रचारक पन के भाई लोगों ने यह सलहा किया है कि हमही लोग अपने प्रचारक को मन्डली आमदानी से तलब देकर जो बाकी बचेगा सो प्रचारक पन ही में रखा जायेगा सेन्ट्रालाईज के लिये नहीं भेजेंगे। —

सेक्र० :— से रिपोर्ट सिरपंच सुनने का इच्छा किया पर सेक्र० गैरहाजिर रहा।

Convince — तुम लोगो ने पंच को उठा दिया है और तब तो उठा दिया पेरिस को भी, और इलाका को भी तुम अपनी बात से सबुत करते हो। —

प्रचान का रिपोर्ट :— पाद्री जब प्रभुभोज देने यहां आये थे उस समय आप मन्डली से बोले कि तुम लोग पुराना रीत को यहां वहां आने दूसरी मन्डली में ले जाते हो। उसी बचन से भाई लोग गुस्सा होके पन्चों को पन्च काम से उठा दिये और उन को छोड़ सब दूसरे भाई मिल कर यह बिचार किये कि मन्डली आमदानी पर हमारे ही अख्तियार रखेंगे जैसे खजान्ची रिपोर्ट दिया है। —

योहन की बात :— योहन ने प्रचीन के बैठने पर बोले कि जो इलाका सात रुपैया सादी फीस ठहराया है उसको हम लोग दखिल नहीं करेंगे यही बिचार सामूचा प्रचारक पन के भाइयों का सलहा हुआ है और यह पन्च लोगों का भी इसी बात पर राय है। —

युनस खजान्ची :— नहीं योहन की बात के समान सब पन्चों की बात नहीं है, भाइयों से कहा गया है कि जिस के घर यह अपराध पड़ा था वह इलाका के नियम मोताबिक सात रुपैया दखिल किया है वह दिया हुआ आमद इलाका पान्ध में दखिल होना जरूरी है।

यह हमों का ही ठहराया हुआ नियम है। —

Zile N. 14.4.39

इस पर किसी भाई की बात रही - हमारा प्रचारकापन इस बात को नहीं सुना है।
सिरपंच ने सभा को बताया कि जो जो बातें इलाका पास करती हैं उसको कार्मचारी अपने प्रचारकापन के भाई बहिनों के लिये गिर्जा में पुकारें अगर वह इलाका मिटिंग में हाजिर नहीं थे तो पंच लोग वह बातें भाईयों को जाना देवें। इन्हीं आवश्यक बातों के लिये हर प्रचारकापन से पंचों का उपस्थित इलाका मिटिंग जरूरी है।

प्रबीन ने कहा - सब बातें बताई जाती थी पर सात रुपये का देन बारे कुछ नहीं बताया गया।

मानसुक - मैं एक पंचायत में कार्मचारियों को बात करते सुना कि हम लोग इसको (याने) सात रुपैया के देन के विषय भाई बहिनों को नहीं सुना सकते हैं। पादरी आपही सुना देवें पादरी भी यह सुन कर कहा कि मैं भी इस बात को नहीं सुना सकता हूँ कारण इसको सुन कर भाई लोग अवश्य गुस्सा हो जायेंगे।

आनन्दमसीह डीबेजा - आपने कहा निश्चय यह बात जरूर इलाका सभा में पास किया गया है। शायद प्रचारक और पंच जो पंचायत में गये थे उसको नहीं सुनाया।

प्रबीन बरनाबस - हम लोगों को नहीं बताया गया यही सबब वह सात रुपैया जो हमारे प्रचारकापन से मांगा गया, समूचा नहीं दाखिल किया गया याने जुर्माना के लिये दिया हुआ काट जाके बाकी दाखिल किया गया। मैं कुल रुपैया ले गया था, पर गुस्सा से झूठ बोलना कि मार्टिन वो मोहन मांग लिये उनके पास है। सो जुर्माना वाला रुपैया फिर वापस ले आया।

मोहन कुदादा: - मोहन ने कहा कि सात रुपैया उठाया जाता है कि नहीं।

सिरपंच - उठा देना हम लोग नहीं सकते हैं।

मोहन कुदादा - तब पंचायत बस करेंगे - इसपर उसको convener ने उपदेश दे कर समझाया पर मोहन कुदादा: ने कहा कि हम ने बहुत उपदेश सुना फिर उपदेश

सेक्रेटरी - सेक्रे० ने उन्हें कहा कि आप लोगों को कहा गया है यह बात आमसभा में निकाला जावे उस समय पंच लोग केवल नहीं पर भाई लोग भी रहेंगे उस समय उठा दिया जा सकता है। इस समय कोई जन हाँ कोई पादरी भी उठा नहीं सकेगा।

कन्नानिरया सिरपंच - सभापति ने कहा कि सिंदरी दुइंग के भाईयों को इलाका सभा को मानना चाहिये जब वे उसे मानेंगे तो उसका ठहराया हुआ बात भी मानेंगे कारण वह जिसको ठहराया उससे सिंदरी दुइंग मंडली भी ठहराया है। सो आप लोग इलाका मानेंगे या नहीं?

प्रबीन बरनाबस - इस प्रबीन गुस्सा हो कर बोले - सभा कहता है कि इस गोलमाल का उठाने हारा प्रबीन ही है। अभी कौन कहेगा उठ जाओ सो कहे।
इस पर सिरपंच प्रबीन की बातों पर ध्यान न देके एक एक से पुछा कि इलाका सभा को मानोगे या नहीं :- मोहन - नहीं। मुसस - मानेंगे।
प्रबीन - नहीं। सामुएल - नहीं। मुसा - नहीं। मोहन - नहीं। यसैयाह - नहीं। शिमोन - नहीं। नथानियल - नहीं। बरनाबस - नहीं। मरकस - नहीं। सुलेमान - नहीं। I जयमसीह - नहीं। II जयमसीह - नहीं। मार्टिन का बाप नहीं - नहीं। मरकस - मानेंगे। ख्रिस्तोबित - मानेंगे। उसी समय अबिराम प्रचारक बोला कि हम लोग मानेंगे सो इस में जो रखना-रखनी का गोलमाल हुआ है उस पाप के भागी भी कितने हुये हैं उनके बारे कमिशन क्या कुछ बिचार नहीं करेगा?

सभापति - सिंदरी दुइंग मंडली के बहुत लोग इलाका को नहीं मानने चाहते हैं तो उनके साथ वह बात बातचीत करना यह सलाह करना व्यर्थ है। उनके साथ करेंगे जो इलाका को मानते हैं और डिमनिया बसुकोचा प्रचारकापन के भाईयों के साथ जो हाजिर रहेंगे।
इस पर प्रार्थना किया गया और इला सभा भी छुट्टी हुई।

पहली सभा टुटने के बाद दूसरी सभा की बैठकी हुई इस समय निम्नलिखित लोग हाजिर थे। कि डिमिनिया प्रचारक समुएल, मनसिह, ज़ाकरियाह, जायरसीह, अफूरस, युसफ, अबिरहाम, वो पोरस प्रभुसहाय,
बसुकोचा — पतरस, योहन, आनन्द मसीह, फूतरस विलियम, थोमस, मसीहदास, मसीहदास और योहन।
पनउडीह — अबिरहाम प्रचारक वो युसाफ।
बड़ीउलीसु — योहन लोगा।
बेलबेड़ा — जकरियाह प्रचारक।

1 - सभा के बैठते ही जकरियाह प्रचारक उजर दरखास्त पेश कर के बोला कि मैं इलाका का सभा के तावे ही मे रहने चाहता हूं। मेरा बेटा को भी उसके अधिक रहना चाहिये वह अज्ञानता से उन न मानने हारों के ऐसा जबाब दिया है। यह सुन सभापति जकरियाह के बेटे बरनाबस को बुलाया और पूछा क्या तुम उनके सामिल रहोगे या बाप के साथ रहने चाहते हो। उसने मान लिया कि मैं अज्ञानता से कहा मैं भी बाप जिधर रहेगा उधर ही रहूंगा।

2/ अबिरहाम प्रचारक के आगे मोताबिक उसकी फुताऊ योहनी बुलाई गई और सभापति ने पूछा कि क्या तुम अपने भगिनी को जोखा देने गयी थी? क्या तुम उस काम को पाप समझती हो? योहनी जबाब दीई मैं अज्ञानता से यह काम किई हूं। लेकिन दूसरों से मेरी आंख खोली गई मैं समझ गया कि मैं पाप काम के भागी मे फंस गई हूं उसी दिन से अपने को दोषी समझ अपने आगे से अपने को दोषी भी दिखा रही हूं। सभापति ने पूछा क्या इस काम मे तेरा साथी थे? योहनी बताई अरवना, रहिल, वो मफ़दी, जो रउस पी जी मण्डली भी है। बस पर अबिरहाम प्रचारक आजो किया क्या बन सक्ता है कि उसको बहुत जल्दी पाप क्षमा दिया जाय? जबाब पादुरी से दिया गया अब तक मण्डली पाठ नहीं तामिल हुआ है। तामिल होने पर जब पाप क्षमा मांगे उसी समय दिया जा सकेगा।

इस पर कमिशन बिचार किया कि योहनी मंडली सजा न पाये ही अपने पाप से पश्चताप आने का चिन्ह दिखा रही है। क्या यह नहीं बनेगा कि जिस दिन उस पर सजा तामिल हो पाप क्षमा मांगे तो पाप क्षमा दिया जाय। दोनो पादुरी बिचार करके जबाब दिये बन सकता है क्योंकि पश्चताप का चिन्ह मण्डली न पाते ही दिखा रही है। लेकिन मंडली का ऐसी बातों को समझे वो पीछे ठोकरला कारण न बने सभापति आप ही उपस्थित मंडली को समझाने चाहा। और सभापति को बुला कर समझा दिये। और वे समझ कर मान लिये। कि ऐसे लोगों को के लिये हम गड़बड़ नहीं मचावेंगे। जो आगे से अपना पाप के लिये पश्चताप का चिन्ह नहीं दिखावेगा।

3/ कमिशन ने देखा कि सिलुरी हुरंग का प्रचारक 16-11-32 को लोकनतर हो गया और सिलुरी हुरंग के भाई पेरिश वो इलाका पन्थ में अधिनता ग्रहण करने चाहा इस बात वे इलाका के भेजे हुए प्रचारक को, वो पादुरी से ठहराये पन्थ को मानने का नहीं चाहती है केवल घर घर इलाका की अधिनता मे रहने का कबूलनामा।

सो कमिशन ने काम चलाते रहने के लिये सविरहाम को सिब्रुहिङ में बकासियाह को चलाईहमें व निबन्ध को वेलवेड़ा में निरन्तर चलाने का हुक्म पास किया है। जब तक नौ-ज्ञान का दूसरी बन्दोबस्त न होगा।

बाद पढ़ाने किया गया और तमाम पास किया गया।

जांच कमिशन का लेखक

निर्मल मेंगरा समलेस्सा।

१८-११-३८

K. Kessdiis.
7. 3. 39.

Sd/ M. Sanga.
Chairman.
Commission
18/11/38.

सिन्दरो हुड़ग जाच कमिशन का जांच का लगातर

तारिख १८ नोवेम्बर सांझ को सभापति ने बाड़ी के लेंगा जोहन को पूछा कि तुम किस पर्थी मे रहोगे? तुम इलाका को मनोगे कि नहीं?

लेंगा जोहन का जवाब :— मैं इलाके के आधीन मे रहुंगा।

फिर २० नोवेम्बर सांझ को डिमितिया के सिगिम नचानियेल सोय को सभापति से पूछा गया कि क्यों तुम इलाका को मानोगे कि नहीं?

सिगिम नचानियेल सोय का जवाब :— मैं नहीं मानुगा?

Rev M. Sanga
Comission Chairman
20-11-1939

Sundri huzang jauch

Comission ka

Report

18 - Nov. 1938

C.C. B 10

No 1

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट साहेब एम० जे० स्लाश को मेरा यीशुसहाय।

महाशय,
कृपा कर माफ़ करेंगे कि आप के २५-१२-१९३८ ई० के पत्र का जवाब जो सिन्दुरी-हुडंग प्रचारकपन के भाई बहिनों के दरख्वस्त के बावत था, जल्द नहीं भेज सका; कारण मेरे बोरबार को हाथ के उंगलियों में घाव निकलने के कारण हाथ फुल गया था जो अब तक भी बिलकुल अच्छा नहीं हुआ हूं आशा है आस्ते २ अच्छा होगा।

आप को एक बार अमलेशा इलाका के मंडलियों के विषय रिपोर्ट दे चुका हूं कि इस इलाका के हर प्रचारकपनों में रखना रखनी लोगों की संख्या बहुत है इस के पहले भी उन की संख्या अधिक थी। इसी का घटाने के लिये और मंडली की दशा का सुधारने के लिये अमलेशा इलाका सभा १३-३-१९३५ ई० में ऐसा ठहराया है कि रखना रखनी वाले जब मंडली ग्रहण पाकर सादी होंगे उन का फीस ७) सात रु० लिया जावे। लेकिन कुवांर कुवांरी जो बचनदत्त होकर शादी करेंगे उनसे ठहराई हुई शादी फीस ४।) सवा चार रु० रहे। उसी ठहरावट अनुसार चालु भी किया गया है।

१९३८ ई० के शुरु में सिन्दुरी हुडंग प्रचारक का बेटा जयमसीह पुर्ती भुत एम० जोहन मंगरा के समय खुली लाया। वह छोटी सजा में रखा गया था। मैं १४-५-३८ को सबसे पहले सिन्दुरी हुडंग गया था। उस समय वहां का प्रचारक सुलेमान पुर्ती अपने बेटे जयमसीह के मंडली ग्रहण वो शादी के बारे मुझ से बातचीत किया। बातचीत के समय पन्डाडीह के प्रचारक अब्राहाम मुन्डु भी हाजिर थे। सुलेमान प्रचारक इलाका के संकल्प को पूरा करने का जवाब दिया। सो १५-५-३८ रविवार को उन का मंडली ग्रहण हुआ और लड़की अपलय में रखी गई और १६-५-३८ सोमवार को उन की शादी हुई। सुलेमान प्रचारक इलाका के संकल्प मोताबिक आनन्द से ७) सात रु० खजान्ची प्रधान बरनाबस तिर्की के हाथ में दे दिया। उस समय कोई भी उस ७) रु० के बारे एक शब्द भी न बोले।

८-६-१९३८ ई० को जब परिश सभा में सब प्रचारकपनों की आमदनी लिखी जाती थी, उस समय प्रधान बरनाबस मंडली आमदनियों के साथ शादी फीस ७) रु० दाखिल नहीं किया। उस में से केवल ३॥) पौने चार रु० दाखिल किया। परिश सभा के पूछने पर बरनाबस प्रधान जवाब दिया कि बाकी पैसे दूसरे पंचों के हाथ में है वे उस को इस लिये रोक लिये हैं कि सुलेमान प्रचारक वो अब्राहाम प्रचारक १९३७ ई० का मंडली पैसा जो भी तहसील किया गया है तो भी अब तक परिश में दाखिल नहीं किये हैं। इस पर अब्राहाम प्रचारक जवाब दिया कि आने वाला पन्चायत में वह फ़िरस्त सहित दाखिल करेंगे। परिश सभा उन को हुकुम दिया कि जिन आमदनियों के विषय झगड़ा हो रहा है दोनों तरफ़ का वहां के खजान्ची के हाथ सौंपा जावे जिसे खजान्ची आने वाला महीने के आमदनी के साथ दाखिल करे।

फैसला मोताबिक अब्राहाम प्रचारक १३-७-३८ को २॥) अढ़ाई रु० मंडली पैसा दाखिल किया लेकिन बरनाबस प्रधान न किये। प्रधान के हाथ का उसी ३।) रु० के लिये इलाका सभा करवाई किये जिस का बखेड़ा अब तक चला आता है।

९-१०-३८ को सिन्दुरी हुडंग का खजान्ची युनस मुन्डू परिश सभा में रिपोर्ट भेजा कि सिन्दुरी हुडंग के योहन की करुणा की बेटी बुद्धि कुछ दिः के किसी संसार छोकड़े के साथ फंस गई है और छोकड़ी को छोकड़े के घर ले जाने के लिये दीस बाहन भी गई थी। इस रिपोर्ट को सुन परिश सभा विचार किया कि उन इस्त्रियों को भी बुद्धि के साथ छोटी सजा में रखना चाहिये। इस बात की जांच के लिये अमलेशा चेयरमैन १०-१०-३८ को सिन्दुरी हुडंग में भाइयों के साथ बैठकी किया। उस समय उन इस्त्रियों के विषय जिन्हों ने बुद्धि को संसार छोकड़े के पास पहुंचाने गयी थीं बात विचार के समय बरनाबस प्रधान, कुदादाः का योहन और बोरुबेड़ा का सिनुसामुएल बहुत जोर से बाहस किये कि छोकड़ा के पास ले जाने वाली स्त्रियों का कुछ दोष नहीं है। कारण हमों का सुलेमान प्रचारक वो पन्डाडीह का अब्राहाम प्रचारक हमों को बताये हैं कि उम्बुलबहा परिश में जब इलाका सभा की बैठकी हुई थी ऐसा फ़ैसला हुआ है कि ले जाने वाले निर्दोषी हैं। इस पर मैं पन्डाडीह के अब्राहाम प्रचारक को जो सामने हाजिर था पूछा, क्या उम्बुलबहा में सच ऐसा ही फ़ैसला किया गया है? वह स्पष्ट से जवाब दिया कि मुझ को इस का ख्याल नहीं है। इस पर मैं उन से बोला कि यदि इलाका सभा ऐसा फ़ैसला किया इस का सबूत मिनिट में भी पाया जाये तो मैं कौंसिल में अपील करूंगा क्योंकि यह फ़ैसला दण्ड व्यवस्था के विरुद्ध है। इस पर अब्राहाम प्रचारक बोला कि मैं स्त्रियां सजा रहें।

file
M.T.
M. N.

उस बात को सुन अबिराहाम की पुताउ को छोड़ दूसरी दो स्त्रियां अपने को निर्दोषी समझीं। इस कारण उन के ऊपर मंडली दण्ड व्यवस्था कायम नहीं किया गया।

मैं ८-११-३८ को इन बातों का रिपोर्ट इलाका सभा में पेश किया। कुल रिपोर्ट सुन कर इलाका पंच, जांच कमिशन ठहराये कि इन बातों को जांच करे। जो कमिशन में चुने गये सो ये थे:- Rev. M. Sanga; A. Bhengra; H. Purti Basukocha; P. Purti Basukocha; Lucas Aind Prachin; Yunathan Soy Prachin और मैं। यह कमिशन १७-११-३८ को सिन्दरीहुडंग गया तो १८-११-३८ को सिन्दरीहुडंग में बैठकी हुई। सिरपंच Rev. M. Sanga हर एक को अपने को जांचने के लिये एक छोटा उपदेश दिया। इसके बाद सिरपंच ने सिन्दरीहुडंग खजन्ची को (युनसमुन्डू को) जिसने इलाका में रिपोर्ट दिया था उस का खबर पूछा। वह बतलाया कि (१) एक ख्रीस्तान लड़की संसार लड़के के साथ व्यभिचार में फंसने तो कितने बहिन उस अपराध के भागी में पड़ने का बयान सुनाया। (२) सिन्दरीहुडंग प्रचारकपन के भाइयों ने यह सलाह किये हैं कि हम लोग अपने प्रचारक को मंडली आमदनी से तलब देंगे और जो बाकी बचे उसको अपने प्रचारकपन ही में रखेंगे सेन्ट्रालाइज नहीं करेंगे। खजन्ची का रिपोर्ट सुन कर सिन्दरीहुडंग के भाइयों ने भी कहा कि जैसा रिपोर्ट किया गया है ऐसा ही हम सभों का सलाह हुआ है। इस पर सिरपंच ने फिर पूछा तब तो तुम लोग जो प्रचारकपन से चुने हुए पंचों को उठा दिये? जवाब दिया हां। इस पर सिरपंच ने फिर उन से कहा जब ऐसन है तो तुम लोगों ने पेरिश पंच वा इलाका सभा को भी उठा दिया? जवाब हां हम लोग उठा दिये।

इस पर अनेक २ बातें हुई। जब बहुत गड़बड़ होने लगा तब सिरपंच ने भाइयों से पूछा कि क्या आप लोग इलाका सभा वा कलीशिया के नियमों के अधीन रहने चाहते हो या नहीं? उत्तर मिला कि ७) रु० फीस जो रखना रखनियों के लिये ठहराया गया है उठा दिया जाये तो हम इलाका को मानेंगे नहीं तब नहीं मानेंगे। सिरपंच वो दूसरे पंच भी भाइयों को समझा कर बोले कि इस समय उठाना नहीं हो सकता है जब हमारी आम सभा होगी उस समय दरखास्त पेश किया जाये उस समय उसका इन्साफ हो सकता है क्योंकि यह इलाका सभा से ठहराया गया है। भाइयों ने सब बातें सुन कर बोले जब नहीं उठाया जाता है तो सभा भंग किया जाये। ऐसी गड़बड़ के कारण सिरपंच को सभा बन्द करना हुआ।

लोगों के जाने के बाद कमीशन के आगे एक बहिन आई जो अपने को ७-१०-३८ की बैठकी में मंडली सजा के आइन को मान लिई थी। वह पाप क्षमा के लिये अर्जी किई। उसके अर्जी पर सिन्दरीहुडंग प्रचारकपन के दो भाई भी इलाका सभा की अधीनता स्वीकार किये थे सिफारिश किये कि यह बहिन मंडली सजा के आइन को मानती है सो उसको पाप क्षमा दिई जाये। उन के सिफारिस अनुसार कमीशन भी मंजूर किया और २०-११-३८ को पाप क्षमा दिया गया।

डिमानिया के बथानएल का बेटा जो रखना रखा है अब तक मंडली सजा में ही है कारण वह गिर्जा नहीं जाता और कलीशिया के नियम के अधीन रहने नहीं चाहता है।

सिन्दरीहुडंग जांच कमिशन का रिपोर्ट इलाका सभा में १४-१२-३८ को पढ़ा गया और ग्रहण किया गया। इस पर इलाका सभा ने गम्भीरता से सोच विचार कर संकल्प किया:— कि प्रचीन अपने पद से पदच्युत किया जाये और छोटी सजा में सभा में साक्षात झूठ कहने के कारण, और इलाका के अधीन रहने नहीं चाहने के कारण रखा जाये। योहन कुदादा: भी जो उपदेश को सुनना नहीं चाहा और ईश्वर के वचन को तुच्छ किया और वह भी इलाका के अधीन रहने नहीं चाहता है छोटी सजा में रखा जाये। दूसरे २ भाई जो कलीशिया के नियमों को नहीं मानने चाहते हैं उन को निषेध दिया गया। यह संकल्प १४-१२-३८ को इलाका सभा में कायम किया गया। इस तरह सिन्दरीहुडंग की बातें तय किई गई हैं।

आनन्द की बात है कि अमलेशा प्रचारकपन में तमाड़िया मुण्डा लोगों में से पहला जन १८-१२-३८ को बपतिस्मा लिया और उसका नाम "ख्रीस्त शरण धाम कनन" रखा गया।

आप का विश्वासी
Barnabas Hemrom

Rev. Barnabas Hemrom has been asked to send back the original report of Sindri Hudang. 4-1-39

Aulesa
27-12-38

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd, 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Behar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.

No. 66/39/F 10 A. Dated the 30th Jan. 1939.

To,

The Rev. B. Hemrom,
G. E. L. Church, Amlessa.

Manyawar Padri Babu B. Hemrom ko yishusahay.

Ap ko khabar diya jata hai ki 6th February, 1939 ko Kerschis Saheb Umbulbaha jate hain, Sinduri Hurang ke shadi fees sambandhi baton ke liye. Kripa kar ke Sinduri Hurang ke bhaiyon ko aur anya bhaiyon ko bhi jin ka sambandh us shadi fees sambandhi baton se hai Umbulbaha men hajir hone ko kahiye jisten ki Manyawar Kerschis Saheb jo kuchh un se tadaruk karna hai kar sake. Darkhast Rev. M. Kerschis ko soumpa gaya hai.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary.

महामान्यवर प्रेसिडेण्ट श्रीयुक्त पाद्री जे. स्तोश साहेब को मेरा यीशुसहाय।

आगे मुझ को चर्च कौंसिल कार्य्य कारिणी सभा का संकल्प जो २८ अप्रील १९३८ में हुआ था सो पाया,

इस के जवाब में आप को थोड़ी बात जनाता हूं कि यहां के सेन्टरलैज नहीं से मालूम हुआ कि प्राय: ८, १० बरस से पेरिशों का सेन्टरलैज बन्द है और पंचों का संगठन भी नहीं है इस के सुधारने के लिये अभी तक कुछ फिक्र नहीं किया गया है। मैं महासभा से लौटने के बाद जल्दी प्रचारक पनों में जाने का इच्छा किया था पर रोक टोक हुआ कि प्रचारकों का शिक्षा क्लास २० वीं अप्रील से ४ थी माई तक ठहराई गयी थी इस के वजह से प्रचारक पनों में जाने से रोका गया, मैं ५ वीं माई से २६ माई तक का और १ ली जून से ७ वीं जून तक का प्रोग्राम प्रचारक पनों में भेज चुका हूं। देर होने और बरसात के नजदीक होने के कारण सेन्टरलैज का नियम इतने कम दिनों में किया जायगा या नहीं सो सफर से लौटने के बाद आप को पूरा खबर बताया जायगा।

इलाका सेक्रेटरी के रिपोर्ट में जो आमलेशा खास का आमदनी मार्च महीने का प्राय: २)रु: दिखाया गया सो ठीक है, अप्रील महीने का आमदनी खास का प्रभुभोज दान सहित २॥≡)३½ पाई है, प्रभुभोज दान निकालने से २)॥। बचता है।

महाशय मार्च और अप्रील का जमा ४)रु: मिला, दूसरे प्रचारक पनों से और उम्बुलबहा पेरिश से कुछ नहीं मिला, इस से परिवार सहित का प्रतिपालन होना मुश्किल है। इस कारण अर्जी है कि जब तक सेन्टरलैज का प्रबन्ध पक्का न हो जाय कौंसिल तरफ से मदद देने की कृपा कीजिये।

इस के अलावा हाता का बड़ा बंगला और पूर्व लैन और गिर्जा घर का मरामत होना बहुत जरुरी है। माइ के भीतर मरामत न होने से पीछे रुपया मिलने से भी मरामत नहीं हो सकता है नदी के रोक टोक से बांस और लकड़ी मिलना असम्भाव है। सो बहुत जरुरी और जल्दी होने वाला काम आप को जना देता हूं।

आमलेशा
पो. ओ. तमाड़
४-५-१९३८

आप का विश्वस्त
Baruchias Hemrom

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

Secretary: ~~P. D. KANDULNA B.A.~~ xxxxxxxxxxx No. 929/38/F 10 A. *Dated the* 2nd June 1938.

N. Topno Esqr.

To,

Babu N. Bhengra,
G. E. L. Church,
Amlessa.

Babu Nirmal Bhengra ki Yishusahay.

Ap ki chitti tarikh 30.5.38 ki, jis ko ap ne President ke pas likha, mila.

Age ap ko suchna di jati hai ki barsha ke karan President Saheb ko Bashukocha jane men sandeh hai; kyonki do nadiyon ko par karna parta hai. Phir bhi Motor ko nadi par karne men sandeh hai. Is karan President Saheb apne sahayak, Padri Daud Kujur ko bhejengen. We Biphe, 9th June ko Bundu pahunchengen. Un ko le jane ke liye admi bhejne ki kripa kijiyega, aur yadi ho sake to ek ghore ka intijam kijiyega.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary.

महामान्यवर प्रेसिडेन्ट साहब गो०-एवं०-लुथेरान चार्च रांची को यीशुसहाय।

महाशय, चार्च कौन्सिल सेक्रेटरी साहब की पत्री तारिख २३ मई १९३८ई: को मिली। मालुम हुआ कि बसुकोचा प्रचारकपन के नये गिरजा घर के संस्कार में आप उपस्थित होने की कृपा किये हैं। इस के लिये आप को बहुत धन्यवाद भेजता हूं।

तथा पत्र के जबाब में यही बता देना आप को है कि मोटर गाड़ी जैसा-तैसा खुसी से बसुकोचा गांव पहुंच सकता है। महाशय पिटर हुरद अपने सेक्रेटरी काल में वहां तक मोटोर से गये थे। मेरा आशा है कि नियत समय तक जब अधिक बरसा न होवे याने नदी नाले पानी से न भरे तो वहां तक मोटोर ले जाने में अधिक कठिनाई न होगी। मान्यवर एम० केरसिश साहब वो मेमसाहिबा डिमानिया जाने के समय उसी सड़क से गये थे। आप लोग बसुकोचा प्रचारकपन से करीब २,५ मील आगे बढ़े थे; लेकिन आप लोगों को डिमानिया से इधर ही ५ मील पीछाड़ी याने मरधान गांव के पास उस सड़क को छोड़ के सीधे दोहरा पहाड़ कोचा में सवा या डेढ़ मील घुसने से बसुकोचा पहुंचेगा।

मैं बसुकोचा प्रचारक को खबर भेज चुका हूं जिस्ते सरकारी सड़क छोड़कर मरधान से बसुकोचा तक मोटोर जाने लायक रास्ता जांच किया जाये और मरामत भी किई जाये। आप लोगों के यात्रा के समय दो स्थानों पर पथदर्शक रखे जायेंगे १ला खुद अमलेशा में २रा मरधान गांव में।

निवेदन है कि सेक्रेटरी साहब द्वारा हमों को जना देने की कृपा कीजिये कि आप किस तारिख वो प्रायः कौन घंटा में अमलेशा पहुंचने का विचार सिद्ध किये हैं।

३०-५-३८ई०
अमलेशा

आप का आज्ञाकारी
सेवक —
Nirmal Bhengra

File

माननीय गो० एव० लू० कलीशा के चार्च कौन्सिल
के कमल चरणों पर निवेदन ।

मरफत

आमलेशा पादरी बाबु जोहन मेंगरा का दास अबिरहाम पुर्ती दो पन्चों को ओर से आप सभों को योशुसहाय । —

महाशयगरा हम कितने भाई बहिन तमाड़ इलाके के चेयरमैन से उनके चाल चलन से अति ही अप्रसन्न है । कारण मैं अबिरहाम पुर्ती जो उसका दास हूं कई एक बार दारु ला कर रात के समय पिया करते हैं हां यह मैं अच्छी तरह आप सभों को साबित बता सकता हूं मैं तो रोमन कथोलिक हूं पहिले मैं सोचता था, लूथेरन सब हंडिया ~~दारु~~ नहीं पिया करते हैं पर मुझ को मालूम हुआ लूथेरन मिशन के पादरी भी पिया करते हैं । फिर मैं अपने बिषय में कहता हूं कि वह अमरूद आम आदि मुझ को बेचने के लिये भेजता है और उसी से मुझ को दारु लाने देता है और आधा हिसाब खजांची को बता देता है । पहिले ~~मुझ~~ तो मैं सोचता था ऐसा ही सयद मिशन को चलाते होंगे और मैं भी अच्छा समझ पहिले से थोड़ा थोड़ा पीने वाला पिया करता था । पर मैं अब रोमन कथोलिक से लूथेरन में ग्रहण होने के लिये सक्रमेन्ट लेने को सिखने और गिरजा जाने और उपदेशों के सुनने से मुझ को मालूम हुआ यह बिलकुल ठीक नहीं है। इस लिये मैं ~~[illegible]~~ आप सभों के पास अर्जी पेश करता हूं यदि कौंसिल इसका उचित बिचार न करे तो मराडली अवश्य बिगड़ जायगा सो मैं अच्छी तरह जानता हूं । —

आगे यहां के भाई बहिनों का भी अर्जी है कि ये इस पादरी से बिलकुल न पसंद हैं यहां के वास्ते एक मिशनारी ही होना आवश्यक है। तब मराडली और आस पास पर हां समुचा तमाड़ में प्रभु का उजियाला प्रवेश करेगा यह हम लोगों का पूरा बिश्वास है ॥ ~~[illegible]~~ ॥

आमलेशा ता० १६-४-३७ } आप सभों का दीन दास

अबिरहाम पुर्ती ।

D. S. Dhengra, पौलुस होरो

Church Council
Received 15. 3. 37
Register No. 582
Date 13. 3. 37
File 10A.
Reply No............
Date...............

Amlesá
13 March 1937

मान्यवर चार्च कौंसिल खजन्ची साहेब को तमाड़ इलाके की ओर से यीशुसहाय।

महाशय, तमाड़ इलाका सभाने अपने इलाके के भीतर कई प्रकार की त्रुटियां बूझ लेके यह विचार किई है कि चार्च कौंसिल के आगे एक निवेदन पत्र सौंप दिई जाये। जिस्ते आप तमाड़ इलाके के अन्दर ही एक मिशनरी को रखने का प्रबन्ध करें।

क्योंकि इलाका सब विषयों में दूसरे २ इलाकों से पीछे पड़ी है। इस तरह जब लों किसी निपुण सुयोग्य जन के अगुवाई बगैर इलाका स्वपालन काम में, न तो मिशन के दूसरे २ काम में तरक्की कर सकेगा। शायद अगुवों की अज्ञानता ही का कारण होगा कि स्वपालन को बढ़ती और मिशन काम की सफलता नहीं दिखाता है।

इस लिये इलाका दीनताई से निवेदन करती है कि तमाड़ इलाके के अन्दर ही एक मिश्नरी रखने का बन्दोबस्त होना अति जरूरी है। जिस्ते आप (मिश्नरी) इलाके को निम्न बातों को बढ़ाने में शिक्षा वो मदद देवे। १:– स्वपालन को बढ़ाने में।
२, मन्डली के अगुवों याने कर्मचारियों को आत्मिक वो आर्थिक ज्ञान में बढ़ती पाने के लिये।
३, इलाके के अन्दर वो उस के किनारों पर मिशन काम को बढ़ाने में सिखावे वो मदद करे।

आप का कृपाभिलाषी
सेवक:–
Chairman:–
Johan Bhengra
Pastor

इलाका सेक०
Nirmal Bhengra.

Rev. M Sanga
Umbulbaha.